Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 09 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 08 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

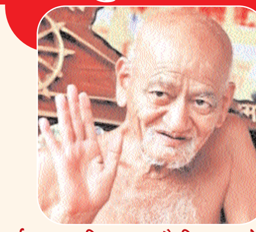

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पीएम मोदी को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

■ अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड्स की संख्या पहुंची 35

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफद रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान के साथ अब पीएम मोदी को दुनिया भर से मिले कुल अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 35 हो गई है। 'बिंतांग आदिपूर्णा' (मेडल ऑफ ऑनर) इंडोनेशिया का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान है। यह उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने इंडोनेशिया की एकता, स्थिरता और समृद्धि में असाधारण योगदान दिया हो। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने जकार्ता में इस सम्मान की घोषणा की। 2016 से अब तक प्रधानमंत्री मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के विभिन्न देशों से 35 अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जो किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक है। इनमें से कई सम्मान सदियों पुराने इतिहास और परंपराओं से जुड़े हुए हैं।

सीएम साय ने पीएम मोदी को दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सम्मान केवल प्रधानमंत्री मोदी का नहीं, बल्कि पूरे 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान, भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और विश्व मंच पर सशक्त होती उसकी भूमिका का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावी कूटनीति ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है तथा मित्र देशों के साथ संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व समुदाय में अपनी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के साथ वैश्विक शांति, सहयोग और साझा समृद्धि के लिए निरंतर योगदान देता रहेगा।

नीतिगत सुधारों व नवाचारों से राजस्व प्रशासन में आया सकारात्मक बदलाव : मुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने विभाग द्वारा किए जा रहे प्रशासनिक सुधारों, तकनीक आधारित नवाचारों तथा नागरिकों एवं किसानों को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की स्पष्ट नीति राजस्व प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह एवं भ्रष्टाचारमुक्त बनाना है। राजस्व मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा नागरिकों को बिना अनावश्यक कार्यालयीन आवागमन के गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बैठक में डिजिटल किसान किताब एवं भूमि संबंधी दस्तावेजों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि किसानों को बी-1, खसरा, ऋण पुस्तिका तथा भूमि संबंधी अन्य जानकारी व्हाट्सएप के माध्यम से सहज रूप से उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि उन्हें तहसील अथवा पटवारी कार्यालय जाने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सीधे आमजन एवं किसानों के जीवन से जुड़ा विभाग है, इसलिए शासन के सभी सुधारों एवं नवाचारों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से पहुंचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आरबीसी 6-4 के प्रकरणों का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरबीसी 6-4 की ऑनलाइन व्यवस्था एक महत्वपूर्ण सुधार है।

रायपुर के उरला में बड़ा हादसा

3डी फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट, 3 की मौत

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी के उरला थाना क्षेत्र के बेंद्री स्थित 3डी फैक्ट्री में मंगलवार शाम ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से भीषण विस्फोट हो गया। हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि कुछ मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कई अन्य मजदूरों के लापता होने की आशंका है। मौके पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, 108 एंबुलेंस और बचाव दल राहत एवं सर्च ऑपरेशन में जुटे हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फैक्ट्री के भीतर अचानक तेज धमाका हुआ, जिससे पूरे परिसर में अफरातफरी मच गई। धमाके के बाद कई मजदूर बाहर निकल आए, जबकि कुछ के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया है और लापता मजदूरों की तलाश जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उरला स्थित फैक्ट्री पहुंच गए और राहत कार्य की निगरानी कर रहे हैं। हादसे के बाद फैक्ट्री के बाहर बड़ी संख्या में मजदूरों के परिजन पहुंच गए, जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। मौके पर परिजनों में भारी आक्रोश का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के काफी देर बाद तक फैक्ट्री प्रबंधन का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे परिजनों का गुस्सा और बढ़ गया। पुलिस ने पूरे परिसर को घेर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बिजली गोदाम शॉर्ट सर्किट हादसे का नुकसान नहीं भरेंगे उपभोक्ता

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की 66.57 करोड़ रुपए के नुकसान को बिजली दरों में शामिल करने की मांग खारिज कर दी है। आयोग ने साफ कहा है कि कंपनी की प्रशासनिक लापरवाही, जोखिम प्रबंधन की कमी या संपत्तियों का बीमा नहीं कराने से हुए नुकसान का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जा सकता। दरअसल, वित्तीय वर्ष 2026-27 के टैरिफ निर्धारण के दौरान सीएसपीडीसीएल कुल 658.32 करोड़ रुपए को असाधारण खर्च के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया था। इसमें अप्रैल 2024 में रायपुर के गुढ़ियारी स्थित क्षेत्रीय गोदाम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग से ट्रांसफार्मर, केबल और अन्य विद्युत उपकरण जलने सहित भिलाई, रायगढ़ और कोरबा में हुई आगजनी की घटनाओं से 66.57 करोड़ रुपए के नुकसान का दावा शामिल था।

खारुन नदी के जलकुंभी में फंसकर 20 से अधिक मवेशियों की मौत

■ गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

रायपुर (विश्व परिवार)। जिले के धरसींवा क्षेत्र स्थित पठारीडीह गांव में आज खारुन नदी में जलकुंभी के बीच फंसने से 20 से अधिक मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। नाराज ग्रामीणों ने नदी पर बने पुल पर चक्काजाम कर दिया, जिससे रायपुर, दुर्ग और बेमेतरा को जोड़ने वाले मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जानकारी के अनुसार, खारुन नदी में जलकुंभी से पूरी तरह पट चुकी है। वहीं मंगलवार को गांव के मवेशी जलकुंभी को घास का मैदान समझकर नदी में उतर गए। जलकुंभी के घने जाल में फंसने के कारण वे बाहर नहीं निकल सके और उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पठारीडीह में नदी पर बने पुल पर चक्काजाम कर दिया।

छत्तीसगढ़ में स्कूलों के समय में बदलाव की मांग

■ फेडरेशन ने शिक्षा सचिव को लिखा पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में स्कूलों के समय को लेकर नई मांग उठी है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर सभी सरकारी स्कूलों की टाइमिंग एक जैसी करने की मांग की है। फेडरेशन ने कहा है कि शनिवार को हायर सेकेंडरी (12वीं तक) स्कूल भी सुबह की पाली (मॉर्निंग शिफ्ट) में चलाए जाएं। फेडरेशन का कहना है कि युक्तियुक्तकरण और संकुल व्यवस्था लागू होने के बाद ज्यादातर प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूलों से जुड़े हुए हैं। ऐसे में अलग-अलग स्कूलों की अलग-अलग टाइमिंग होने से पढ़ाई और प्रशासनिक काम में दिक्कत हो रही है। इसलिए सभी स्कूलों का समय एक जैसा किया जाए। फेडरेशन ने कहा है कि प्राचार्य, शिक्षक और कर्मचारी पढ़ाई के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का काम, ऑनलाइन एंट्री, परीक्षा, वित्तीय और प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी संभालते हैं।

वायनाड में लैंडस्लाइड, 3 की मौत, कई मलबे में दबे, रेस्क्यू किया जा रहा

वायनाड। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल हुए हैं। वहीं 5 लोग लापता हैं। हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंस गए। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। मलबा हटाने के लिए जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था। मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के तहत मलप्पुरम को वायनाड से सुरंग (टनल) के जरिए जोड़ना है।

चीन ने परमाणु पनडुब्बी से बैलिस्टिक मिसाइल दागी

■ हिंद-प्रशांत में बढ़ा तनाव, भारत के लिए क्या मायने

बीजिंग। चीन ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी से लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रशांत महासागर में परीक्षण कर अपनी रणनीतिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए चिंता का विषय बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ प्रशांत क्षेत्र का मामला नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता का संकेत है, जिसका सीधा असर भारत की सुरक्षा रणनीति पर भी पड़ सकता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार परीक्षण में संभवतः चीन की नई पीढ़ी की जेएल-3 पनडुब्बी आधारित बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मानी जाती है और इसकी मारक क्षमता इतनी है कि चीन के समुद्री क्षेत्र से भी हजारों किलोमीटर दूर लक्ष्य साधे जा सकते हैं। चीन इसे नियमित सैन्य अभ्यास बता रहा है, लेकिन क्षेत्रीय देशों का कहना है कि इससे हिंद-प्रशांत में सैन्य प्रतिस्पर्धा और तेज होगी। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता चीन की बढ़ती समुद्री मौजूदगी है। बीते कुछ वर्षों में चीनी नौसेना की पनडुब्बियां हिंद महासागर में कई बार देखी गई हैं।

आजाद चौक क्षेत्र में दुकान में लगी आग पर पुलिस, व फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्यवाही

■ डायल 112 एवं फायर ब्रिगेड के समन्वित प्रयास से सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

रायपुर (विश्व परिवार)। 7 जुलाई मंगलवार सुबह थाना आजाद चौक क्षेत्र अंतर्गत रामसागरपारा स्थित एक दुकान में आग लगने की सूचना प्राप्त होते ही थाना आजाद चौक की टाइगर मोबाइल टीम एवं डायल 112 की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची तथा त्वरित एवं सूझबूझपूर्ण कार्यवाही की। पुलिस, डायल 112 एवं फायर ब्रिगेड के बेहतर समन्वय एवं तत्परता से आग पर शीघ्र काबू पा लिया गया, जिससे एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामसागरपारा स्थित एक दुकान में आग लगने की सूचना आजाद चौक टाइगर मोबाइल एवं डायल 112 को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस एवं डायल 112 की टीम मात्र 5 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचने पर दुकान में आग तेजी से फैल रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया तथा विद्युत विभाग को सूचित कर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कराई गई, जिससे किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटना की संभावना समाप्त हो सके।

चूंकि दुकान के ऊपर आवासीय मकान स्थित था, इसलिए पुलिस एवं डायल 112 की टीम ने तत्काल वहां निवासरत सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा आसपास मौजूद नागरिकों को भी सुरक्षित दूरी पर रखा।

छात्राओं को साइकिल वितरित कर कहा - हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (अंग्रेजी माध्यम), ब्रम्हरोड अंबिकापुर में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ नए शैक्षणिक सत्र का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा को जीवन में सफलता का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने और बेटियों को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्राओं को साइकिल वितरण केवल एक योजना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे बेटियों को विद्यालय तक सुरक्षित और सुगम पहुँच सुनिश्चित होगी तथा वे अपने सपनों को

साकार करने की दिशा में और अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगी। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। विद्यार्थी पूरे मनोयोग से अध्ययन करें, अनुशासन और मेहनत को अपना जीवन मंत्र बनाएं तथा अपने माता-पिता, शिक्षकों और प्रदेश का नाम रोशन करें। आज का परिश्रम ही कल की सफलता का आधार बनेगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक नवाचार कर रही है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के माध्यम से प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो रहे हैं।

वर्षा के नाम चिट्ठी

मैंने वर्षा को लिखी चिट्ठी,
कहां हो छुपकर, दुपक कर बैठी,
बहुत है अब यहां तपन,
चैन नहीं है, बैचेन है मन।
तपता माथा, जलती आंखे,
बहता है पसीना, पानी,
कब आओगे मेरी वर्षा रानी।
वसुधा ने लिखा पत्र,
मैं थी गीली, सुख गई अत्र,
जगह जगह पड़ गई दरार,
थक गई हूं तुम्हारा करके इंतजार।
पेड़ पौधे सूख गए मलिन हुआ श्रृंगार,
अब आ भी जाओ वर्षा,
तुम बिन, दिल है बेकरार।
नल कूप, ताल तलैया नदियां,
और सागर ने लिखा खत,
हमारा जल हो रहा वाष्पित,
हम धीरे धीरे हो गए शुष्क और तप्त,
हम पर निर्भर सब, हैं बेहाल,
वर्षा जी क्यों रूठी हो बताओ हाल।
कृषक बैठा उदास, लिख भेजा पाती,सूखे खेत देख नींद नहीं आती,
कब आओगी मेरी अर्धांगिनी,
कब होगी निदाई गुड़ाई सजनी,
आकर खेत को करो जल से तर,
रोपेंगे बीज, उगेगी फसल,सुहानी,
तुम तब सच में होगी,
मेरी वारदायनी प्यारी संगनी।
स्व रचित

डॉ प्रभा शुक्ला
सेवा निवृत प्राचार्य

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32865/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32865
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **50** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446P00445** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KIRAN GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMICHAND GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAKASH GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. LAXMI CHAND GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32814/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32814
वार्ड का नाम- 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **49** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445B0462B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAJUL NEMA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TUKARAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JITENDRA KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANI RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा के व सपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)

इश्तिहार

रा0 प्र0क्र0//अ-6/ वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 06/07/2026
ग्राम बोरियाखुर्द प0ह0नं0 71

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है है **आवेदक दुर्गा शंकर कसार, पिता स्व. ताराचंद कसार निवासी - संतोषी नगर, सुमित बाजार के पास, टिकरापारा रायपुर छ.ग.** द्वारा इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है कि **आवेदक की पत्नि श्रीगती मंदा कतार पति श्री दुर्गाशंकर कसार** के स्वामित्व की भूमि **ग्राम बोरियाखुर्द प.ह.नं. 71 तहसील जिला रायपुर** स्थित भूमि **खसरा नंबर 116/436 रकबा 0.0102 हे., याने 1100 वर्गफुट.,** भूमि धारित की जाती है। आवेदक की **पत्नि मंदा कसार** का मृत्यु **दिनांक-30/08/2024** को हो चुका है **मृतिका स्व. मंदा कसार** के विधिक वारिसान **पति दुर्गा शंकर कसार** ही हैं। अन्य कोई विधिक वारिसान नही हैं। अत: प्रश्नाधीन भूमि में से मृतक का नाग विलोपित कर उक्त भूमि पर वारिसान का नाम दर्ज किए जाने का निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति **दिनांक 20/07/2026** को इस न्यायालय में पेश करें। नियत रामयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक** 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32986/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32986
वार्ड का नाम-64-डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **64** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR449A00135** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAVITA BARLEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHASHIKANT BARLEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कंचन चतुर्वेदी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अजय चतुर्वेदी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32849/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32849
वार्ड का नाम-46- सिविल लाईन वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR333C0655B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. RANI SARAWAGI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH SARAWAGI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेश सरावगी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. सत्यनारायण सरावगी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32249/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32249
वार्ड का नाम-34-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **34** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224D0105A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NASIMA KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A.MAJID KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अब्दुल रशीद खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मरहूम हाजी हमीद खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, सहमति पत्र, बंटवारानामा, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32988/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32988
वार्ड का नाम-64- डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **64** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR449A0282F** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT. RAMESH KUMAR DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHUN RAM DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शांति देवांगन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **रमेश कुमार देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./32899/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32899
वार्ड का नाम-41- पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **41** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR565C00166** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GOVIND RAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TEKU MAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPAK KRIPLANI S/O** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOVIND RAM KRIPLANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./32901/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32901
वार्ड का नाम-41- पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **41** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR565D00140** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JANKI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANTURAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GEETA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMINARAYAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./32903/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32903
वार्ड का नाम-41- पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **41** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR566F00216** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NAJUL MANIKDAS MANIKPURI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **THAKURDAS MANIKPURI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAKASH DAS MANIKPURI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE.LALDAS MANIKPURI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./32904/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32904
वार्ड का नाम-41- पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **41** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR566F00129** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **HEMIN DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAXMI DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAJKUMAR DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

CGHB

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, **सामान्य आवास योजनांतर्गत, कचना फेस-1, रायपुर में स्थित एल.आई.जी. फ्लैट नं-06, ब्लॉक नं-01, (द्वितीय तल), को श्रीमती अविनाश कौर पति श्री जगमोहन सिंह,** के नाम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा अपने पक्ष में **दिनांक 22.05.2025** को लीजडीड पंजीकृत उपरांत पूर्ण मूल्य जमा कर उक्त फ्लैट का इस कार्यालय के पत्र **क्र. 2340 दिनांक** 23.05.2025 के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में आबंटी **श्रीमती अविनाश कौर पति श्री जगमोहन सिंह, निवासी:-ई-08/145, त्रिलंगा, हुजूर भोपाल, (म.प्र.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्री प्रसन्न कुमार नीले पिता श्री मोहन कुमार नीले, निवासी:- भवन क्र.-50, ऐश्वर्या किंगडम, रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /32431/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 05-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32431
वार्ड का नाम- 08 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **08** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226W0508F** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANJAY DIKSHIT HUF KARTA SANJAY DIKSHIT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **OM PRAKASH DIKSHIT** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJIV KUMAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DARSHAN LAL SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32834/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32834
वार्ड का नाम-17- ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109C00390** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RANNU DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GHANSHYAM DWIVEDI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHANTI DEVI BHARDWAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O RAM KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32855/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32855
वार्ड का नाम-17- ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109D00038** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SONI SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAKESH SINGH MAKKAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SURYA SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O VISHNU PRATAP SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32863/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32863
वार्ड का नाम-4- यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104C00159** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAJRA BAI NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJENDRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DILIP NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE. RAJENDRA NISHAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.SHAPAT PATRA 02.DEATH CERTIFICATE 03. BATWARA NAMA 04. TAX RASHID KE AADHRA PAR** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32867/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32867
वार्ड का नाम-4- यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104C0159A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAJRA BAI NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJENDRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TULASHI BAI NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O LATE. DIPAK NISHAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.SHAPAT PATRA 02.DEATH CERTIFICATE 03. BATWARA NAMA 04. TAX RASHID KE AADHRA PAR** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32869/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32869
वार्ड का नाम-4- यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104D0556B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ KUMAR DHRUW** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOVIND RAM DHRUW** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KANAK KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O TILAK RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32930/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32930
वार्ड का नाम-17- ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108C00438** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DEVCHARAN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SARJU RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RINKI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D/O KAMTA PRASAD SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./32955/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32955
वार्ड का नाम- 3 - संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **3** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104I0246A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ROHIT KUMAR JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHYAM KISHORE JHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAROJ DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O PRADEEP KUMAR CHOUDHARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32518/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32518
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00474** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUMARI NAIMUN NISHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAYYED ISHHAK ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ROBIN GHOSH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GOPINATH GHOSH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./33018/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33018
वार्ड का नाम-38- स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **38** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715B00119** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VINAY BARVE , JAYANT BARVE, VIVEK BARVE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE KASHINATH BARVE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIVEK BARVE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE KASHINATH BARVE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./32987/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 07-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32987
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **25** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818F00568** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MINOR 01. HARSH YADAV 02. GAURAV YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMIT YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HARICHAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BIPAT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जिला कांग्रेस की बैठक सम्पन्न : संगठन सृजन में बूथ स्तर पर पार्टी को करेंगे सुदृण, अंतिम व्यक्ति तक पहुँचेगी पार्टी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला कांग्रेस कमेटी की विस्तारित बैठक सेवाकुंज, सूरजपुर में आयोजित की गई। बैठक में संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के अनुभवों एवं दिशा-निर्देशों को जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा विस्तार से साझा किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन को जिला, ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर से मजबूत करते हुए गांव के अंतिम व्यक्ति तक कांग्रेस की विचारधारा एवं संगठनात्मक गतिविधियों को पहुंचाया जाएगा। कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर नगर पंचायत शिवनंदनपुर के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस समर्थित पार्षदों का कांग्रेस परिवार द्वारा शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। सभी जनप्रतिनिधियों से जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का आग्रह किया गया।

बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों, संगठनात्मक गतिविधियों एवं शीर्ष नेतृत्व द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। जिलाध्यक्ष शशि सिंह,पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े, सुभाष गोयल, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल, नरेंद्र जैन, अशोक जगते, विद्यासागर सिंह, अनिल गुप्ता, संजीव श्रीवास्तव, नवीन जायसवाल, अजित यादव, त्रिभुवन सिंह, बिहारी कुलदीप, संजय सोनी, जितेंद्र दुबे, लवकेश गुर्जर, प्रदीप राजवाड़े, प्रदीप साहू, महेंद्र साहू, वेद प्रकाश मिश्रा, जगतलाल आयाम, रामकुमार बंछोर, अभिषेक श्रीवास्तव, चंद्रदत्त दुबे, हेमलता राजवाड़े, बबिता गुप्ता, लिली राजवाड़े, जरीना सुल्ताना, आनंद कुँवर, विमला सिंह, तुलसी सिंह, कमल यादव, गीता पूरी, वीणा शर्मा, रश्मि शर्मा, छंदा श्री, विमला सिंह, दीपमाला सोनी, दिव्या तांजे, प्रवेश गोयल, अंशुल गोयल, रामलाल सोनी, केबी सिंह, परमेश्वर राजवाड़े, अविनास साहू, कमलेश दुबे, संदीप शर्मा, असकरण गुप्ता, शक्ति ठाकुर, शान्तु डोसी, गिरधारी साहू, अजय सोनवानी, पारस राजवाड़े सहित बैठक में जिला, ब्लॉक, मंडल एवं बूथ स्तर के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपाध्यक्ष व पार्षदो का हुआ सम्मान- जिला कांग्रेस कमेटी की आयोजित बैठक में नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर के संपन्न हुए चुनाव में कांग्रेस पार्षद दल में निर्वाचित होकर आए पार्षदों तथा नगर पंचायत उपाध्यक्ष निर्वाचन होने पर अंशुल गोयल का जिला कांग्रेस परिवार के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत व सम्मान किया। वही निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उन्हें नगर विकास में अग्रणी रहने व अपने कार्यकाल के लिए बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। जिसमे पार्षद चंदन सिंह, हर्ष दनौदिया, विमला सिंह, बिजेंद्र सिंह, संतोष जायसवाल, दीपमाला सोनी, अहमद वाहिद का अभिनंदन किया गया।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सार्थक आवासीय वॉलीबॉल अकादमी का किया निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित सार्थक आवासीय वॉलीबॉल अकादमी का निरीक्षण कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अकादमी में संचालित खेल गतिविधियों, वॉलीबॉल कोर्ट निर्माण कार्य तथा बालक छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण सूरजपुर, रामश्रृंगार यादव (वॉलीबॉल संघ के सचिव), कार्यपालन अभियंता पवित्रा प्रधान (हाउसिंग बोर्ड), राजनाथ गुप्ता (नेशनल रेफरी), बलवीर सिंह एवं आशीष उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि आगामी 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस से पूर्व वॉलीबॉल कोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बालक खिलाड़ियों के आवास हेतु छात्रावास का भी निरीक्षण किया और आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण खेल अधोसंरचना विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सार्थक आवासीय वॉलीबॉल अकादमी से प्रशिक्षित खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और सूरजपुर जिले का नाम रोशन करेंगे। साथ ही उन्होंने जिले में खेल संस्कृति के विकास एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- क्षेत्र के प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के मार्गदर्शन, करंजी चौकी प्रभारी विशाल मिश्रा के नेतृत्व तथा ग्राम सरपंच सुमित्रा सिंह की उपस्थिति में प्रधान आरक्षक जयप्रकाश कुजूर तथा खेलन राम शांडिल्य द्वारा नशा के विरुद्ध मुहिम चलाते हुए नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी द्वारा उपस्थित बच्चों को नशा से होने वाली से समस्या व परेशानी को बताते हुए इससे दूर रहने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। आपने नशा, नाश की जड़ है बताते हुए नशा से होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों को बताते हुए इससे दूर रहने तथा समाज को भी दूर रहने के लिए प्रयास करने को कहा। प्रधान आरक्षक जयप्रकाश कुजूर द्वारा नशा मुक्त समाज निर्माण हेतु शपथ दिलाया गया। बताते चलें कि आज मंगलवार के दिन सूरजपुर जिले के समस्त ग्रामों में पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के परिपालन में नशा मुक्त समाज निर्माण हेतु परिवार एवं समाज को नशा से दूर रहने की अपील के साथ नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस दौरान संस्था के प्रधान पाठक सीमांचल त्रिपाठी, रिजवान अंसारी, श्रीमती एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता सहित मध्याह्न भोजन सहायिकाएं श्रीमती सुमित्रा राजवाड़े व नान दईया, निर्मल सिंह व संस्था के समस्त बच्चे उपस्थित रहे।

फाइलेरिया पीड़ितों को मिल रहा दिव्यांगता प्रमाण पत्र

कलेक्टर की पहल पर जिला प्रशासन की विशेष मुहिम हाथीपांव से गंभीर रूप से प्रभावित मरीजों को मिलेगी आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग सूरजपुर द्वारा फाइलेरिया (हाथीपांव) से ग्रसित गंभीर मरीजों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक विशेष पहल की जा रही है। जिले के ऐसे मरीज, जो फाइलेरिया के एडवांस स्टेज के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हैं और अपने दैनिक कार्य करने में असमर्थ हैं, उन्हें अब दिव्यांगता की श्रेणी में शामिल कर उनका दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार किया जा रहा है, ताकि वे शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैकरा ने बताया कि फाइलेरिया से प्रभावित मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य अमला लगातार फील्ड में कार्य कर रहा है। चिकित्सीय बोर्ड के नियमानुसार जिन मरीजों में संक्रमण के कारण 40 प्रतिशत या उससे अधिक की अपंगता पाई जा रही है, उन्हें त्वरित रूप से यह प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। इसी क्रम में भैयाथान के दो हाथीपांव मरीज श्री दिल साय एवं श्री बाबुलाल को जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. दीप कुमार एवं सलाहकार श्री विवेक सदन नाविक ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए जिले के सभी नागरिकों, मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से अपील की है कि यदि उनके क्षेत्र में हाथीपांव अथवा अंडकोष में सूजन (फाइलेरिया के लक्षण) से पीड़ित कोई भी व्यक्ति हो, तो उसकी सूचना तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को दें। प्रभावित मरीज अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला अस्पताल अथवा करीबी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क कर सकते हैं। पीड़ितों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, सर्जन डॉ. संदीप जायसवाल, अस्पताल सलाहकार श्री निलेश गुप्ता, श्रीमती अर्जना सोनी एवं एमटीएस श्री सी.के. माहेश्वरी का विशेष सहयोग रहा।

पचीरा में नशा मुक्ति अभियान 'नशा को ना, जिंदगी को हां' का संकल्प लिया किया पौधारोपण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं डीआईजी प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष जनजागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पचीरा में नशे को ना कहे जिंदगी को हां कहे का संकल्प दिलाते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित सभी लोगों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया। पुलिस विभाग द्वारा जिले की 156 ग्राम पंचायतों में विशेष अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष स्वाति संत सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संत सिंह, सरपंच सुन्दरमणि मिंज, जीतराम मिंज, समाजसेवी मनोज पाण्डेय, संतोष कुर्रे, रैमगल राजवाड़े, पटेल राजवाड़े, सचिव सुखल सिंह सरुता, रोजगार सहायक राजेश राजवाड़े, रामकेशर यादव, राजेंद्र यादव, लालबहादुर यादव, कोटवार तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण, माताएं, बहनें और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

किसी भी प्रकार का नशा व्यक्ति का आर्थिक ,शारीरिक सामाजिक स्वास्थ्य, परिवार को नष्ट कर देता है- विशाल मिश्रा

करंजी पुलिस का नशे के विरुद्ध महा जनजागरूकता अभियान

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन पर करंजी पुलिस ने मंगलवार को चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने-वाले समस्त पंचायतो में ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों को नवजीवन नशे के विरुद्ध महा जनजागरूकता अभियान ' 'जिंदगी को हां और नशे को ना कहें卐 कार्यक्रम में ग्रामीणों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई साथ ही मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के तहत सभी उपस्थित लोगों ने शपथ ली कि वे अपने दैनिक जीवन में नशा एवं मादक पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे, नशीली वस्तुओं से संबंधित किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे तथा परिवार, समाज और आस-पड़ोस के लोगों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज, राज्य और देश को नशामुक्त बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया।

इस दौरान चौकी प्रभारी करंजी विशाल मिश्रा ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के समग्र विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। उन्होंने युवाओं तथा ग्रामीणों से नशे से दूर रहकर सकारात्मक गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया। नशामुक्त केवल हमारे ही प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जागरूकता और सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने सभी से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाए एवं युवाओं की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

इस विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस पर कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ अपनी त्वचा को बेहतर समझें

8 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, इस वर्ष की थीम बेहतर जानकारी, बेहतर त्वचा स्वास्थ्य त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने वाले कारकों को समझने के महत्व पर प्रकाश डालती है। जहां स्किनकेयर उत्पाद प्रदूषण जैसे बाहरी प्रभावों से त्वचा की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, वहीं शरीर को किस प्रकार का पोषण दिया जाता है, यह भी स्वस्थ और चमकदार त्वचा बनाए रखने के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, जिसमें कैलिफ़ोर्निया बादाम, साबुत अनाज, पौधों और पशु स्रोतों से मिलने वाला प्रोटीन जैसे त्वचा के लिए लाभकारी खाद्य पदार्थ शामिल हों, और साथ में सक्रिय जीवनशैली अपनाई जाए, तो यह स्वस्थ त्वचा और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में योगदान दे सकता है। पोषक तत्व त्वचा की सुरक्षा परत, मजबूती और सामान्य कार्यप्रणाली को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैलिफ़ोर्निया बादाम एक ऐसा सुपरफूड है, जो प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसमें 24 पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें बी विटामिन्स, जिंक, कॉपर और आवश्यक लिनोलिक एसिड शामिल हैं, जो मिलकर कोशिकाओं की सुरक्षा में मदद करते हैं और त्वचा की संरचना को बेहतर बनाए रखने में योगदान देते हैं। कैलिफ़ोर्निया बादाम विटामिन ई से भी भरपूर होते हैं, जो त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव नुकसान से बचाने और रूखेपन को कम करने में मदद करता है। स्वस्थ और चमकदार त्वचा के लिए इन्हें प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों और हरी पत्तेदार सब्जियों के साथ अपने संतुलित आहार में शामिल करें। त्वचा की देखभाल के लिए आप क्या खाते हैं, इसकी जानकारी होना भी जरूरी है, इस पर बात करते हुए मैक्स हेल्थकेयर ङ्क नई दिल्ली की रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स रितिका समद्दार ने कहा, आप अपने शरीर में क्या लेते हैं, उसका असर अक्सर आपकी त्वचा पर दिखाई देता है। इसलिए मैं अपने क्लाइंट्स को ऐसी जीवनशैली की आदतों पर ध्यान देने की सलाह देती हूं, जो अंदर से स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, नियमित शारीरिक गतिविधि और सही मात्रा में पानी पीना त्वचा और शरीर को पोषण देने के लिए बेहद जरूरी हैं। मैं अपने क्लाइंट्स को ताजे फल, लीन मीट और कैलिफ़ोर्निया बादाम जैसे हेल्दी फैट के स्रोतों को आहार में शामिल करने की सलाह देती हूं। विटामिन ई और बायोटिन से भरपूर कैलिफ़ोर्निया बादाम त्वचा और बालों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं और इन्हें सीधे खाया जा सकता है या भोजन में आसानी से शामिल किया जा सकता है, जिससे ये व्यस्त जीवनशैली के लिए एक सुविधाजनक विकल्प बन जाते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी A27 5G की भारत में बिक्री शुरू, मिल रहे हैं कैशबैक ऑफर और जीरो डाउन पेमेंट की सुविधा

गुरुग्राम: सैमसंग ने भारत में अपने नए गैलेक्सी A27 5G स्मार्टफोन की बिक्री शुरू कर दी है। यह स्मार्टफोन अब सैमसंग के एक्सक्लूसिव स्टोर्स, पार्टनर रिटेल आउटलेट्स, Samsung.com और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। गैलेक सीA27 5G तीन आकर्षक रंगों में पेश किया गया है: लाइट ग्रीन, लाइट पिंक और ब्लैक। यह तीन मेमोरी वेरिएंट्स 6GB+128GB, 8GB+128GB और 8GB+256GB में उपलब्ध है। इसकी शुरुआती कीमत 28,999 रुपये रखी गई है। ग्राहकों को 3,000 रुपये तक का कैशबैक और जीरो डाउन पेमेंट जैसी आसान फाइनेंसिंग योजनाओं का भी लाभ मिलेगा। गैलेक्सी A27 5G में 6.7 इंच का 120H5 सुपर एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जिसे कॉर्निंग गोरिल्ला विक्टस+ का प्रोटेक्शन मिलता है। स्मार्टफोन में 4nm स्नैपड्रैगन 6 जेन 3 मोबाइल प्लेटफॉर्म के साथ FS 3.1 स्टोरेज और LPDDR5X RAM दी गई है, जिससे मल्टीटास्किंग और गेमिंग का अनुभव तेज और स्मूद रहता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50MP OIS प्राइमरी कैमरा दिया गया है, जो 4K वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है। इसके अलावा 5MP अल्ट्रावाइड कैमरा और 2MP मैक्रो कैमरा भी मौजूद हैं। कैमरा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए ऑब्जेक्ट इरेज़र, एडिट सजेशन्स और माय फिल्टर जैसे AI फीचर्स दिए गए हैं। वहीं, 12MP फ्रंट कैमरा हाई-क्वालिटी वीडियो कॉलिंग और शानदार सेल्फी के लिए उपयुक्त है। गैलेक्सी A27 5G में सर्किल टू सर्च विद गूगल, 22 भाषाओं में रियल-टाइम वॉयस ट्रांसक्रिप्शन, गूगल जेमिनी और परप्लेक्सिटी का इंटीग्रेशन भी मिलता है। बिक्सबी की मदद से यूजर्स सामान्य भाषा में फोन की सेटिंग्स को नियंत्रित कर सकते हैं। वहीं लाइव ट्रांसक्रिप्शन फीचर अंग्रेज़ी, हिंदी और गुजराती में कॉल ट्रांसक्रिप्शन को सपोर्ट करता है। गैलेक्सी A27 5G में 5000mAh की बैटरी दी गई है। कंपनी इस डिवाइस के लिए 6 वर्षों तक एंड्रायड ओएस और सुरक्षा अपडेट देने का वादा कर रही है। सुरक्षा के लिए इसमें सैमसंग नॉक ?स उपलब्ध है।

संपादकीय

गैर-व्यापार बाधाएं

क्या अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के क्रम भारत अमेरिका को इस बात पर राजी कर पाएगा कि वह दोनों देशों के कारोबार में गैर-व्यापार बाधाएं खड़ी ना करे भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर भारत में हैं। उन्हें आशा है कि मंगलवार और बुधवार की वार्ताओं के दौरान ऐसा हो जाएगा। मगर मुद्दा है कि क्या बातचीत का आधार द्विपक्षीय समझौते का वही फ्रेमवर्क है, जिस पर पिछले फरवरी में सहमति बनी थी? या बदली परिस्थितियों के मद्देनज़र भारत फिर से सौदेबाजी कर रहा है? फ्रेमवर्क के एलान के बाद अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के लगाए टैरिफ को असंवैधानिक ठहरा दिया था। उससे भारत सरकार को नया मौका मिला। उसका लाभ उठाकर वह उन आलोचनाओं को दूर कर सकती है, जिनसे इस मामले में उस पर समर्पण करने के आरोप लगे हैं। इस बीच अमेरिका ने उत्पादन में जबरिया मजदूरी के इस्तेमाल का आरोप लगाकर भारत के कई निर्यातों पर 12.5 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। अनुचित व्यापार व्यवहार के इल्जाम में उसने भारत के खिलाफ जांच चला रखी है। इनमें अत्यधिक औद्योगिक क्षमता और अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों के आरोप शामिल हैं। क्या समझौते को अंतिम रूप देने के क्रम भारत अमेरिका को इस बात पर राजी कर पाएगा कि वह दोनों देशों के कारोबार में ऐसी गैर-व्यापार बाधाएं खड़ी ना करे? भारत सरकार के रुख से इन मुद्दों पर दृढ़ रुख अपनाए जाने के संकेत नहीं मिले हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में कहा कि भारत- अमेरिका ट्रेड डील को तब तक लागू नहीं किया जाएगा, जब तक भारत के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित नहीं हो जाता। इसका अर्थ है कि भारत पर लगने वाले शुल्क दरों को अमेरिका बांग्लादेश, वियतनाम और कुछ मामलों में चीन पर लगे टैरिफ से कुछ नीचे कर दे, तो डील भारत को स्वीकार्य हो जाएगा। स्पष्टतः यह अपने मानक को काफी नीचे रखना है। फ्रेमवर्क में शामिल अमेरिका से अनिवार्य खरीदारी, ऊर्जा खरीद पर उसकी अनुचित शर्तों को मानने, और अपने बाजार को उसके लिए पूरी तरह खोलने जैसी शर्तें शामिल हैं। उन्हें फिर वार्ता की मेज पर लाने के बजाय भारत का निम्न मानक को अपनाना दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

मूल्य श्रृंखला का जुड़ावः पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

श्री पबित्रा मार्गेरिटा

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 12% का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है। वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया। इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है। वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8% से 10% और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20% है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है। इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ?4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है। इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी '5एफ' फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत) से फ़ाइबर (रेशा) से फ़ैक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फ़ारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती हैः हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रृंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ़्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है। 1,000 एकड़ से ज़्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेज़ी से बाज़ार तक पहुँच पाता है। समर्पित माल गलियारे और एक्सप्रेसवे जैसे राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से जुड़े होने के कारण, विदेशी बाज़ारों तक सामान पहुँचाना बहुत सस्ता और किफायती हो जाता है। हर पार्क में 'प्लग-एंड-प्ले' इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, जिसमें बिजली के खास सब-स्टेशन, लगातार पानी की सप्लाई और तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार फैक्ट्री शेड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके साथ ही, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ज़ेडएलडी) तकनीक वाले उन्नत एडवांस्ड कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक सुविधाएँ भी होती हैं, जिससे कारोबारियों पर ढांचागत बोझ कम पड़ता है और कारोबार करने में आसानी होती है। पीएम मित्र पार्क तेज़ी से कागज़ी योजनाओं को असल ज़मीनी हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना में सात रणनीतिक पार्क शामिल हैंः पाँच ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट विरुधुनगर (तमिलनाडु), नवसारी (गुजरात), कलबुर्गी (कर्नाटक), धार (मध्य प्रदेश) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और दो ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट वारंगल (तेलंगाना) और अमरावती (महाराष्ट्र) में। अब तक, इस योजना में कुल ?69,899 करोड़ के निवेश की दिलचस्पी दिखाई गई है, जिसमें से ?27,658 करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है। 10 मई, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के वारंगल में पहले कार्यरत पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया। इस पार्क में पहले ही ?3,862 करोड़ का निवेश हो चुका है और यहाँ विश्व-स्तरीय पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचे पर काम किया जा रहा है। ये विशेषताएँ स्थायित्व के उन मानकों को दर्शाती हैं, जिन्हें सभी सात पार्क साइटों पर स्थापित किया जा रहा है। पूरे देश में एक साथ काम शुरू होने से सहकारी संघवाद की तेज़ी और सफलता दोनों साफ दिखती है, जहां सभी सात राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, 100% ज़मीन का अधिग्रहण हो चुका है और पर्यावरण से जुड़ी मंज़ूरी भी मिल गई है। पाँच ग्रीनफ़ील्ड साइट्स के लिए जेवी एग्रीमेंट और एसपीवी पूरी तरह से तैयार हैं, जिससे तेज़ी से काम आगे बढ़ रहा है। 2,158 एकड़ में फैले सबसे बड़े पार्क, धार (मध्य प्रदेश) में ?21,436.9 करोड़ के निवेश में दिलचस्पी दिखाई गई है। इसी तरह गुजरात (?13,084 करोड़), महाराष्ट्र (?12,925 करोड़), तमिलनाडु (?6,600 करोड़), उत्तर प्रदेश (?5,345.8 करोड़) और कर्नाटक (?1,700 करोड़) में भी काम को लेकर तेज़ी देखी गई है। तेज़ी से हो रहे इस काम के पीछे केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह का सक्रिय नेतृत्व है। उनके कुशल नेतृत्व में वस्त्र मंत्रालय अपने कामकाज के तरीकों में तेज़ी लाया है, मंत्रालय ने प्रशासनिक रुकावटों को दूर किया है और राज्य सरकारों के साथ अभूतपूर्व स्तर पर आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया है। लेकिन आंकड़े तो कहानी का सिर्फ एक हिस्सा बताते हैं, असली पैमाना इसके मानवीय प्रभाव में दिखता है। प्रत्येक पार्क को संरचनात्मक रूप से इस प्रकार तैयार किया गया है कि इससे लगभग 3 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यानी सभी सात स्थलों को मिलाकर, 21 लाख से अधिक औपचारिक आजीविकाएं हैं, जो हमारे ग्रामीण परिवारों और महिलाओं को अहम सामाजिक-आर्थिक नींव प्रदान करती हैं, जो पारंपरिक रूप से परिधान निर्माण उद्योग की रीढ़ हैं।यह व्यापक ढांचागत प्रयास वस्त्र क्षेत्र के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण 2030 के लिए एक अहम लॉन्चपैड का काम करता है, जिसका लक्ष्य इस दशक के अंत तक भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर की वैश्विक महाशक्ति में बदलना है। ऐतिहासिक विखंडन को विश्व स्तरीय, एकीकृत पैमाने से बदलकर करके, पीएम मित्र एक बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है। सशक्त नेतृत्व के मार्गदर्शन में, हम भारत को वस्त्रों के निर्विवाद, टिकाऊ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी केंद्र के तौर पर स्थापित कर रहे हैं।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।)

आलेख

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्र प्रथम का अमर संदेश

राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं। श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(ए) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।'' कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे।

कब होगा नगद ईनाम बांट समारोह?

भूपिंदर सिंह

खेलों में अग्रणी राज्य हरियाणा व केरल अपने प्रशिक्षकों को भी समय समय पर नगद ईनाम अपने विजेता खिलाडियों के साथ देता है। हिमाचल पीछे क्यों रह रहा है। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता? हिमाचल में प्रशिक्षण की हर सुविधा खिलाडियों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि बेहतर परिणाम आएं हिमाचल सरकार को भी चुने हुए चौथा बर्ष भी आधा खत्म हो रहा है, मगर ये सरकार भी राज्य के वरिष्ठ व कनिष्ठ राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित नहीं कर पाई है। हां, यह अलग बात है कि मुख्यमंत्री ने नई खेल नीति बनाने की घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए बजट में ओलंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता की नगद ईनामी राशि को तीन करोड़ रुपए से पांच करोड़ रुपए, रजत पदक के दो करोड़ रुपए को तीन करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के एक करोड़ रुपए को दो करोड़ रुपए तक जरूर बढ़ाया है। एशियन व राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं के नगद ईनाम में भारी बढ़ोतरी कर एशियाड के स्वर्ण पदक विजेता के पचास लाख रुपए को चार करोड़ रुपए, रजत के बीस लाख रुपए को अढाई करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के बीस लाख रुपए को डेढ़ करोड़ तथा राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़, रजत के लिए दो करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपए तक बढ़ा कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को बहुत बड़ी सौगात दी है। ओलंपिक व अन्य गेम्स के पदक विजेताओं को नगद ईनाम भी दे दिया है, मगर राष्ट्रीय पदक विजेताओं को कब ईनाम मिलेगा, यह तय नहीं है। पिछले एक दशक में हिमाचल के खिलाडियों ने विभिन्न खेलों में दर्जनों पदक जीते हैं, मगर उनका सरकार ने अभी तक अभिनंदन तक नहीं किया है। खेलों से सरकारों की इतनी बेरुखी ठीक नहीं है। अभी भी समय है कि ईनाम बांट समारोह सरकार जल्द से जल्द करवाए। डेढ़ दशक पूर्व जब हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने अंतरराष्ट्रीय खेलों के पदाधिकारियों की ईनामी राशि को लाखों से करोड़ों में किया था, तो उसके बाद हरियाणा में खिलाडियों व उनके अभिभावकों ने अपने बच्चों का कैरियर खेलों में तलाशना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में ड्रिल व खेलों के लिए एक पीरियड जो वर्षों पहले पढ़ाई के नाम पर खत्म कर दिया था, अब फिर से शुरू करने का क्रांतिकारी कदम उठा कर सरकार ने स्कूली विद्यार्थियों की फिटनेस को ध्यान में रखने को तो जरूर कहा है, मगर खेलों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए समय सीमित कर दिया है जो कथनी व करनी में बहुत फर्क दिखा रहा है। प्रतियोगिता व प्रशिक्षण शिविरों के समय खिलाडियों को खाने में बहुत दिक्कत रहती है। सरकार द्वारा खुराक भत्ता बढ़ाना हिमाचल प्रदेश की खेलों व खिलाडियों के लिए अच्छा संकेत है, मगर साथ ही साथ खिलाडियों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए उचित समय देकर खेलों के साथ न्याय करे। ओलंपिक 2036 भारत में आयोजित करवाने की बात हो रही है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस स्तर पर भारत का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट हो। इसलिए भारत में अच्छे प्रशिक्षकों को सही सुविधा व प्रबंधन देना बहुत ही जरूरी हो जाता है। क्योंकि खिलाड़ी से उच्च परिणाम केवल प्रशिक्षक ही दिलाता है मगर कांग्रेस सरकार की इस ईनाम बढ़ोत्तरी में प्रशिक्षक को मिलने वाले नगद ईनाम पर चुप्पी क्यों है। खेलों में अग्रणी राज्य हरियाणा व केरल अपने प्रशिक्षकों को भी समय समय पर नगद ईनाम अपने विजेता खिलाडियों के साथ देता है। हिमाचल पीछे क्यों रह रहा है। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता?विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। आशा करते हैं कि सरकार उन्हें भी सम्मानजनक ईनामी राशि देगी। खेलों के क्षेत्र में हिमाचल को अभी कई कुछ करना बाकी है। हिमाचल के कई खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधा की कमी के कारण बाहर के राज्यों में चले जाते हैं और बाद में उसी राज्य से खेलते हैं। हिमाचल के लिए इसे प्रतिभा का पलायन माना जा सकता है।

सशक्त राज्यसभा परिसीमन विवाद के समाधान की कुंजी

भानु धमीजा

भारत को परिसीमन के साथ-साथ ऐसा संवैधानिक सुधार भी करना चाहिए, जिससे राज्यसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व अधिक संतुलित हो भारत एक बार फिर एक ऐसे संवैधानिक प्रश्न के सामने खड़ा है, जो उसके संघीय ढांचे की मजबूती की परीक्षा ले सकता है। भाजपा सरकार ने संकेत दिया है कि वह संसद के आगामी सत्र में परिसीमन (डिलिमिटेशन) का मुद्दा फिर से उठाएगी। नवीनतम जनगणना के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण संविधान के अनुसार आवश्यक है, किंतु यह राजनीतिक रूप से अत्यंत विस्फोटक विषय भी है। परिसीमन के परिणामस्वरूप जनसंख्या की दृष्टि से बड़े उत्तरी राज्यों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व दक्षिणी, पश्चिमी तथा छोटे राज्यों की तुलना में काफी बढ़ जाएगा। इन आशंकाओं का समाधान करने और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए भारत को उस संस्था की ओर देखना चाहिए, जिसका निर्माण विशेष रूप से राज्यों और क्षेत्रों के हितों की रक्षा के लिए किया गया था- राज्यसभा। सरकार का परिसीमन को आगे बढ़ाने का पहला प्रयास मात्र दो महीने पहले ही विफल हो गया, जबकि उसे व्यापक रूप से लोकप्रिय महिला आरक्षण के मुद्दे से जोड़ा गया था। प्रस्ताव था कि निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के बाद महिलाओं के लिए अधिक आरक्षण लागू किया जाए। विपक्षी दल इस विधेयक के विरोध में एकजुट हो गए। उनका तर्क था कि इससे अधिक जनसंख्या वाले हिंदी भाषी राज्यों- जहां भाजपा को मजबूत समर्थन प्राप्त है- को असंगत लाभ मिलेगा, जबकि वे राज्य जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया और जनकल्याण में भारी निवेश किया, उन्हें दंडित किया जाएगा। वास्तव में परिसीमन की बहस दो समान रूप से वैध सिद्धांतों के बीच टकराव है- लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन। 1976 से लोकसभा की सीटें वस्तुतः 1971 की जनगणना के आधार पर स्थिर बनी हुई हैं। यदि इस स्थगन को बिना किसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के समाप्त कर दिया गया, तो यह शून्य-योग (जीरो-सम) की प्रतिस्पर्धा बन जाएगी। उत्तरी राज्य अपनी बढ़ी हुई जनसंख्या के अनुरूप अधिक सीटों की मांग करने के पूर्णतः अधिकारी होंगे, क्योंकि यही 'एक व्यक्ति, एक वोट' के लोकतांत्रिक सिद्धांत की मांग है। दूसरी ओर, दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों का राजनीतिक प्रभाव घट जाएगा, जबकि उन्होंने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में असमानुपातिक योगदान दिया है और जनसंख्या नियंत्रण के राष्ट्रीय लक्ष्यों को

सफलतापूर्वक पूरा किया है। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के छोटे राज्यों का महत्व और भी कम हो सकता है। इस असंतुलन का समाधान केवल लोकसभा के भीतर संभव नहीं है। यदि संसद लोकसभा की कुल सीटों की संख्या बढ़ा भी दे, तब भी जनसंख्या आधारित वितरण उन राज्यों के सापेक्ष प्रभाव को कम कर देगा जिन्होंने विकास और जनसांख्यिकीय संकेतकों पर बेहतर प्रदर्शन किया है। संविधान-निर्माताओं ने राज्यसभा की कल्पना 'राज्यों की परिषद' के रूप में की थी। व्यवहार में, हालांकि, उसकी संरचना भी लोकसभा की तरह मुख्यतः जनसंख्या आधारित है। संविधान की चौथी अनुसूची के अंतर्गत राज्यों को राज्यसभा की सीटें मुख्यतः उनकी जनसंख्या के अनुपात में आवंटित की जाती हैं। परिणामस्वरूप, बड़े राज्यों का संसद के दोनों सदनों पर प्रभुत्व स्थापित हो जाता है और राज्यसभा अपनी वास्तविक संघीय भूमिका निभाने में असफल रहती है। इसलिए भारत को परिसीमन के साथ-साथ ऐसा संवैधानिक सुधार भी करना चाहिए, जिससे राज्यसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व अधिक संतुलित हो। इसके लिए अन्य संघीय व्यवस्थाओं से प्रेरणा ली जा सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्येक राज्य को उसकी जनसंख्या चाहे जितनी भी हो, सीनेट में समान प्रतिनिधित्व प्राप्त है। जर्मनी का बुंडेसराट एक स्तरीय (टियर) व्यवस्था अपनाता है, जो बड़े राज्यों के प्रभुत्व को सीमित करते हुए जनसंख्या के अंतर को भी कुछ सीमा तक स्वीकार करती है। भारत को इनमें से किसी मॉडल की हूबहू नकल करने की आवश्यकता नहीं है, किंतु वह उनके मूल सिद्धांत को अवश्य अपना सकता है- यह सुनिश्चित करना कि राज्यों को उनकी जनसंख्या से स्वतंत्र एक सार्थक संस्थागत संरक्षण प्राप्त हो। ऐसी व्यवस्था में लोकसभा जनसंख्या की वास्तविकताओं को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित कर सकेगी, जिससे उत्तर भारत की लोकतांत्रिक अपेक्षाएं पूरी होंगी। साथ ही, समान या सावधानीपूर्वक संतुलित राज्य प्रतिनिधित्व वाली एक पुनर्गठित राज्यसभा छोटे तथा कम जनसंख्या वाले राज्यों के हितों की प्रभावी रक्षा कर सकेगी। इस सुधार को लागू करने के लिए बहु-स्तरीय संवैधानिक रणनीति की आवश्यकता होगी। पहला कदम यह होना चाहिए कि राज्यसभा में राज्यों के प्रतिनिधित्व को कठोर जनसंख्या-आधारित सूत्र से अलग किया जाए। एक विकल्प यह हो सकता है कि प्रत्येक राज्य को समान प्रतिनिधित्व दिया जाए। दूसरा विकल्प यह है कि प्रत्येक राज्य को न्यूनतम निश्चित संख्या में सीटें दी जाएं और उसके बाद जनसंख्या के विभिन्न स्तरों (स्लैब) के आधार पर अतिरिक्त सीटें आवंटित की जाएं, किंतु उन पर अधिकतम सीमा भी निर्धारित हो। ऐसी व्यवस्था किसी एक राज्य को सदन पर प्रभुत्व स्थापित करने से रोकेगी। दूसरा, राज्यसभा की शक्तियों को भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा और त्याग का अनुपम उदाहरण : मुख्यमंत्री साय

■ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर किया नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह में उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, शिक्षा, त्याग और अखंड भारत के संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। धारा 370 का हटना, अंत्योदय की भावना पर आधारित विकास तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने वाले अनेक निर्णय उनके विचारों को मूर्त रूप देने वाले ऐतिहासिक कदम हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए राज्य के सभी संभागीय एवं जिला मुख्यालयों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इसके लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक दूरदर्शी राजनेता ही नहीं, बल्कि विलक्षण शिक्षाविद भी थे। मात्र 33 वर्ष की आयु में विश्वविद्यालय के कुलपति बनने का गौरव प्राप्त करने वाले डॉ. मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की उनकी प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उन्होंने सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 'एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान' की व्यवस्था के विरुद्ध डॉ. मुखर्जी ने ऐतिहासिक संघर्ष किया और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। आज पूरा देश उनके त्याग और राष्ट्रनिष्ठा को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के गौरवशाली इतिहास और भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है। हर घर तिरंगा जैसे जनआंदोलन ने राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भी नया रायपुर स्थित शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के 14 वीर स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में विशेष दीर्घा स्थापित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अंत्योदय के विचारों को आधार बनाकर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश संकल्प पूरे किए गए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं। 500 से अधिक गांवों तक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, 700 से अधिक मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं तथा बस्तर अंचल में व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार अभियान संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, शिक्षा, त्याग और समर्पण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलसचिव डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटेल, प्रबुद्धजन, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सिद्धार्थ ध्यान योग शिविर का हुआ सफलतापूर्वक समापन

महासमुंद (विश्व परिवार)। समर्थगुरु धारा के तत्वावधान में 3 से 5 जुलाई तक तीन दिवसीय झलप में आयोजित सिद्धार्थ ध्यान योग शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।जिसमें नवीन 22 तथा रिपीटर 20 साधकों ने भाग लेते हुए योग शिविर में ध्यान की बारीकियां को जाना।शिविर में आचार्य संतोष चंद्रा ने बुद्ध की अष्टांगी मार्ग की चर्चा कर उनके द्वारा प्रतिपादित विभिन्न नियमों को बताकर नाद की दीक्षा प्रदान किया। आचार्य मां रितु ने अष्टांगिक मार्ग पर अपनी व्याख्यान प्रस्तुत किया। आचार्य देवगीत ने ध्यान की विधि पर चर्चा किया। आचार्य मां वंदना सिंह ने ध्यान तथा चक्रमण सुमिरन की विधि पर चर्चा कर साधकों की जिज्ञासा शांत किया। सत्र से संबंधित प्रश्नोंत्तर का उत्तर आचार्य ने अपने सत्र में देकर सभी की शंकाएं का समाधान किया। आयोजक समिति में जितेंद्र चंद्राकर हितेश्वर पटेल एवं अनिल वर्मा ने आचार्य तथा साधकों का आभार व्यक्त किया तथा आगे भी शिविर का आयोजन करने हेतु उन्होंने घोषणा की जिससे ज्यादा ज्यादा साधकों को आध्यात्म का ज्ञान और ध्यान के द्वारा साधक लाभान्वित हो सके।कार्यक्रम के समापन दिवस पर आयोजको ने सभी आचार्यों को सम्मानित कर कार्यक्रम का समापन किया।

'हर मास एक उपवास' कार्यक्रम भव्यता से सम्पन्न

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। स्थानीय कृषि उपज मंडी परिसर में मंगलवार को अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज व योग गुरु बाबा राम देव स्वामी के संयुक्त तत्वाधान में चलाए जा रहे एक मास एक उपवास अभियान को लेकर कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

सोनल बाकलीवाल के मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संघ की ओर से गुरूवंदना मुनि नेगम सागर जी महाराज ने की। आयोजन के उद्घाटनकर्ता पंडित प्रदीप मिश्रा, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक राजेश सोनकर, माधव एव न्यास ट्रस्टी प्रदीप पांडे, मोटिवेशनल स्पीकर उज्जवल पाटनी, जैन समाज अध्यक महेंद्र पाटोदी, पुष्पगिरी तीर्थ अध्यक्ष प्रकाश अजमेरा, अंतर्मना संघपति दिलीप हुमड़, पतंजलि के एसके तिजारा आदि ने दीपप्रज्वलन किया। जिसके बाद अतिथियों ने गुरुदेव के चरणों मे श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया। गुरुदेव ने सभी को मोतियों की माला पहनाकर आशीर्वाद दिया।

आचार्य संघ और से उपाध्याय मुनि श्री पीयूष सागर जी महाराज का प्रेरणादायी उद्बोधन हुआ। अतिथियों ने तख्ती दिखाकर 'हर मास एक उपवास' अभियान का औपचारिक आवाहन एवं संकल्प लिया।

प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि साधु-संन्यासी 24 घंटे में एक बार भोजन ग्रहण करते हैं, वे 25-30 किलोमीटर चल लेते हैं वहीं जो सुबह से शाम तक खाते हैं, वे घर से मंदिर तक चल के नहीं जा सकते। हमें मनुष्य जीवन कोहिनूर हीरे की तरह मिला है। जब मन अच्छा होता है तो भगवान अच्छे लगते हैं, और जब मन खराब होता है तो भगवान भी बुरे लगने लगते हैं। गुरु, भक्त को भगवान के मंदिर तक भेज देता है। उपवास जीवन को बेहतर बनाने और बीमारियों से बचने में मदद करते हैं। नकारात्मक सोच को छोड़ना चाहिए। जब व्यक्ति अच्छा सोचता है, तो पूरा करने वाला भी अच्छा ही करता है। व्यक्ति को स्वयं पर आत्म-विश्वास करना चाहिए कि वह संसार में कुछ भी कर सकता है, वहीं अति-विश्वास से बचना चाहिए।

मुनिश्री ने सभी से स्वस्थ रहने के लिए हर मास एक उपवास करने का निवेदन किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव बाबा जी इस मुहिम को विश्वव्यापी बनाने में लगे हुए हैं। यदि प्रदीप मिश्रा जी की कथा से प्रेरित हो 500 लोग उपवास करते हैं, तो 500 लोगों के परिवार को बीमार होने से बचाया जा सकता है।

पंडवानी गायिका तीजन बाई को नगर निगम रायपुर की विशेष सम्मिलन की बैठक में दी गयी सामूहिक मौन श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ के आदेशानुसार नगर निगम सचिवालय द्वारा रायपुर शहर की ज्वलन्त समस्याओ पर चर्चा एवं विचार -विमर्श करने नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर नगर निगम सामान्य सभा सभागार में आहुत नगर निगम रायपुर की विशेष सम्मिलन की बैठक के अंत में पद्म विभूषण सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई के आकस्मिक निधन पर सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ के शोक प्रस्ताव पर नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नेता प्रतिपक्ष श्री आकाश तिवारी, आयुक्त श्री संबित मिश्रा सहित उपस्थित सभी एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षगणों, वार्ड पार्षदों, नव नामांकित पार्षदों/ एल्डरमेनों, नगर निगम सचिव श्रीमती संगीता साहू, प्रेस दीर्घा में मीडिया प्रतिनिधियों, दर्शक दीर्घा में वार्ड पार्षद प्रतिनिधियों, नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों ने पद्म विभूषण सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई के आकस्मिक निधन पर गहन शोक व्यक्त करते हुए उनके अवसान को ना सिर्फ छत्तीसगढ़ राज्य बल्कि राष्ट्र के संगीत एवं संस्कृति के क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति निरुपित किया एवं परमपिता परमेश्वर से मृतात्मा की आत्मा को शान्ति प्रदान करते हुए उनके परिवारजनों, इष्टगणों, सहयोगियों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने दो मिनट की सामूहिक मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

सेठी कालोनी दिगम्बर जैन मंदिर में हुई धर्म सभा

■ अहिंसा, दया, क्षमा और मैत्री ही मानव जीवन के सर्वोच्च आभूषण हैं: गणिनी आर्यिका रत्न जिन देवी माताजी

जयपुर (विश्व परिवार)। संसार में जन्म लेना सभी को मिलता है, लेकिन मानवता के गुणों को अपने जीवन में उतारना बहुत कम लोगों के भाग्य में होता है।

ये उदगार आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्ट शिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ने मंगलवार, 7 जुलाई को सेठी कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके धन, रूप या पद से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार, करुणा, दया और सेवा-भाव से आँका जाता है।

इंसानियत का अर्थ है—दूसरों के दु:ख को अपना दु:ख समझना, बिना किसी स्वार्थ के सहायता करना, सबके प्रति प्रेम और सम्मान रखना, क्षमा करना तथा किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुँचाना। जिस व्यक्ति के हृदय में दया होती है, उसकी वाणी मधुर होती है, उसका व्यवहार विनम्र होता है और उसका जीवन सबके लिए प्रेरणा बन जाता है।

महान बनने के लिए बड़े-बड़े कार्य करना आवश्यक नहीं है। एक मीठा शब्द, एक सच्ची मुस्कान, किसी दुखी व्यक्ति का सहारा बन जाना, भूखे को भोजन देना, रोगी की सेवा करना और निराश व्यक्ति में आशा जगाना—ये छोटे-छोटे कार्य ही मनुष्य को महान बना देते हैं। भारतीय संस्कृति और संत परंपरा ने सदा सिखाया है कि अहिंसा, दया, क्षमा और मैत्री ही मानव जीवन के सर्वोच्च आभूषण हैं। जो व्यक्ति सभी जीवों में अपने समान आत्मा का अनुभव करता है, वह किसी के साथ अन्याय नहीं करता। वही सच्चा इंसान है और वही वास्तव में महान है। इसलिए हमें प्रतिदिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम किसी का दिल नहीं दुखाएँगे, सबके साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे, जरूरतमंद की सहायता करेंगे और अपने आचरण से मानवता का संदेश फैलाएँगे।

मेकाहारा के ऑन्कोलॉजी डायलिसिस विभाग में सेवा परियोजना का आयोजन

■ विभाग को एक कट फिल्टर एवं एक सैनिटाइजिंग लिक्विड भेंट किया

रायपुर (विश्व परिवार)। नेहा अग्रवाल, सचिव, इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर ने जानकारी देते हुए बताया कि एसोसिएशन ऑफ इनर व्हील क्लब्स इन इंडिया के राष्ट्रीय सेवा अभियान 'जीवन धारा 2026-27' के अंतर्गत इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा मेकाहारा (डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय), रायपुर के ऑन्कोलॉजी डायलिसिस विभाग में एक सेवा परियोजना का आयोजन किया गया।

इस परियोजना के अंतर्गत डायलिसिस मशीनों के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन के लिए विभाग को एक कट फ़िल्टर एवं एक सैनिटाइजिंग लिक्विड भेंट किया गया। इस आवश्यक सामग्री से विभाग में उपचाररत लगभग 40 डायलिसिस मरीजों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा मशीनों के रखरखाव एवं बेहतर संचालन में सहायता प्राप्त होगी।

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में सदस्यों नम्रता दुबे, पूजा जैन, पुष्पा मालवीय एवं संगीता गोयल उपस्थित रहीं। मेकाहारा की ओर से डॉ. दिव्या रक्षे ने सामग्री ग्रहण की तथा इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा किए गए इस जनहितकारी कार्य की सराहना करते हुए क्लब का आभार व्यक्त किया।

इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर समाज के स्वास्थ्य एवं सेवा कार्यों के प्रति सदैव समर्पित रहा है। क्लब का उद्देश्य केवल सेवा सामग्री उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बेहतर बनाने में अपना योगदान देना भी है। 'जीवन धारा' परियोजना इसी सेवा भावना का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

भिलाई में संपत्तिकर सर्वे अभियान शुरू

■ बीएसपी क्षेत्र के भवनों का होगा नया माप-जोख

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई ने संपत्तिकर निर्धारण और कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार बीएसपी क्षेत्र में निर्मित भवनों एवं भूमियों का व्यापक परिमाप (सर्वे) अभियान शुरू कर दिया गया है।

इस अभियान की शुरुआत सेक्टर-6 स्थित एम.जी.एम. स्कूल के पास सड़क एवेन्यू-ए में बने भवनों के माप-जोख से की गई। निगम की टीम प्रत्येक भवन का वास्तविक क्षेत्रफल, निर्माण की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विवरण दर्ज कर संपत्तिकर निर्धारण के लिए आधार तैयार कर रही है। निगम प्रशासन का कहना है कि इस सर्वे का उद्देश्य संपत्तिकर निर्धारण में पारदर्शिता लाना, वास्तविक निर्माण के अनुसार कर निर्धारण करना तथा राजस्व व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है।

सात वर्षों बाद इतिहास रचेगा पुष्पगिरी तीर्थ पर, कल होगा गुरु-शिष्य का दिव्य महामिलन

■ चातुर्मास मंगल प्रवेश के साथ बनेगा अविस्मरणीय आध्यात्मिक इतिहास

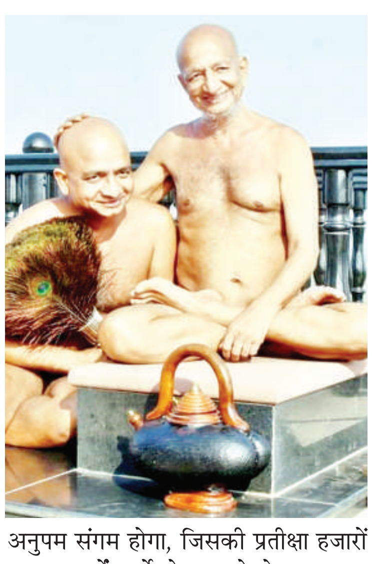

पुष्पगिरी तीर्थ (विश्व परिवार)। जैन समाज के लिए 9 जुलाई 2026 का दिन आध्यात्मिक इतिहास के स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है। सात वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता, युगद्रष्टा, धर्म प्रभावक गणाचार्य श्री 108 पुष्पदन्तसागरजी गुरुराज एवं साधना महोदधि, विश्व तपोनिष्ठ, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी गुरुदेव संघ का दिव्य एवं भाव-विभोर कर देने वाला गुरु-शिष्य महा-मंगल मिलन पुष्पगिरी तीर्थ, सोनकच्छ (म.प्र.) में संपन्न होगा। इसी पावन अवसर पर पुष्पगिरी चातुर्मास 2026 का भव्य मंगल प्रवेश भी होने जा रहा है।

यह केवल दो महान संतों का मिलन नहीं, बल्कि श्रद्धा, समर्पण, वात्सल्य, गुरु-भक्ति और आध्यात्मिक प्रेम का ऐसा अनुपम संगम होगा, जिसकी प्रतीक्षा हजारों श्रद्धालु वर्षों वर्षो से कर रहे थे। यह दृश्य निश्चित रूप से उपस्थित भक्तों के लिए जीवनभर की अविस्मरणीय आध्यात्मिक स्मृति बन जाएगी। एवं भव्य शोभायात्रा के साथ होगा मंगल प्रवेश कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी गुरुदेव अपने विशाल संघ के साथ बिजासन माता मंदिर, सोनकच्छ से दोपहर 2:30 बजे जयघोषों के बीच भव्य मंगल जुलुस के साथ पुष्पगिरी तीर्थ की ओर प्रस्थान करेंगे।

इस शोभायात्रा में इंदौर, देवास, जावर, मेहतवाड़ा, आष्टा, सीहोर, सोनकच्छ सहित अनेक नगरों से हजारों श्रद्धालु, महिला एवं बहू मंडल, युवक-युवती मंडल तथा समाजजन उत्साहपूर्वक सहभागिता करेंगे।

गुरु का अपने प्रिय शिष्य के प्रति अनुपम स्नेह

इस ऐतिहासिक अवसर का सबसे भावुक क्षण तब आएगा, जब गणाचार्य श्री पुष्पदन्तसागरजी गुरुराज स्वयं पुष्पगिरी तीर्थ से न्यायालय मार्ग तक पधारकर अपने प्रिय शिष्य आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी गुरुदेव एवं उनके विशाल संघ को अपने रुद्धय को लगाकर सभी को आशीर्वाद देंगे । सात वर्षों के अंतराल के बाद होने वाला यह मिलन गुरु-शिष्य प्रेम, आत्मीयता और आध्यात्मिक परंपरा की अनुपम मिसाल प्रस्तुत करेगा।

न्यायालय भवन के समीप होगा ऐतिहासिक महा-मंगल मिलन

न्यायालय भवन, पुष्पगिरी तीर्थ के समीप दोपहर 3:30 बजे हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में दोनों महान संतों का महा-मंगल मिलन होगा। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावुक एवं प्रेरणादायी होगा, जब गुरु और शिष्य पुन: आत्मीयता से एक-दूसरे का मंगल मिलन होगा।

महा-मंगल मिलन के पश्चात श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवानजी, श्री 1008 पद्मप्रभु भगवानजी , श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवानजी तथा लगभग 2000 वर्ष प्राचीन श्री 1008 अरहनाथ भगवानजी के दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा।

बोलखेड़ा में दिगम्बर जैनाचार्य ज्ञानभूषण महाराज के सानिध्य में भव्य शांति विधान का हुआ आयोजन

बोलखेड़ा (विश्व परिवार)। कामवन तहसील के ग्राम बोलखेड़ा स्थित प्राचीन श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में परम पूज्य दिगम्बर जैनाचार्य श्री ज्ञानभूषण महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में शांतिस्वरूप दीपक जैन (बोलखेड़ा) के सौजन्य से भव्य शांति विधान का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। विधान के माध्यम से विश्व शांति, मानव कल्याण, राष्ट्र की समृद्धि एवं समस्त प्राणियों के मंगल की कामना की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ बोलखेड़ा तपोस्थली के अध्यक्ष रमेश गर्ग द्वारा चित्र अनावरण तथा ज्ञानचंद जैन (अगोनीज, फिरोजपुर झिरका) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात पंडित अरविंद शास्त्री (दिल्ली) के निर्देशन में वैदिक एवं जैन परंपरा के अनुरूप शांति विधान की धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुईं। वहीं दौलत जैन एंड पार्टी के मधुर भक्ति संगीत ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर धर्मभक्ति में लीन रहे।

इस अवसर पर अपने मंगल प्रवचनों में आचार्य श्री ज्ञानभूषण महाराज ने कहा कि धर्म ही जीवन को संयम, शांति और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाता है। बाहरी सुख क्षणिक हैं, जबकि आत्मशांति ही वास्तविक सुख है। शांति विधान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे विकारों को शांत करने का साधन है। उन्होंने सभी से सदाचार, अहिंसा, संयम और परस्पर सद्भाव का पालन करने का आह्वान किया।

क्षुल्लिका ज्ञान गंगा माताजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि धार्मिक क्रियाएं मनुष्य के जीवन में संस्कार, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का आधार हैं। उन्होंने कहा कि धर्म से जुड़कर ही व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना सकता है तथा नई पीढ़ी को भी संस्कारों से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

नकाबपोश झपटमार गिरफ्तार: 9 वारदातों से शहर में फैलाई दहशत, 2.5 लाख का माल बरामद

जगदलपुर। शहर में लगातार झपटमारी कर दहशत फैलाने वाले नकाबपोश युवक को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अब तक शहर के अलग-अलग इलाकों में 9 वारदातों को अंजाम दे चुका था। वह सुनसान और अंधेरी जगहों पर महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाकर बैग झपटकर फरार हो जाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी बाइक से पीछे से आकर तेजी से झपटमारी करता था और बैग से नकदी व आभूषण निकालकर बाकी सामान फेंक देता था। शहर में बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस और साइबर टीम लगातार अलर्ट थी और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी जा रही थी। धरमपुरा कालीपुर क्षेत्र में हुई हालिया वारदात के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने कोतवाली क्षेत्र में 5 और बोधघाट क्षेत्र में 4 समेत कुल 9 झपटमारी की घटनाओं को अंजाम देना कबूल किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 8 बैग, 3 मोबाइल, सोने-चांदी के आभूषण सहित करीब 2.5 लाख रुपए का सामान बरामद किया है। आरोपी ने बताया कि वह दोस्तों के साथ घूमने के लिए पैसे जुटाने के लिए इस तरह की वारदात करता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजमन यादव (19 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

दिशा समिति की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और गुणवत्ता पर दिया गया जोर

कोण्डागांव। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना तथा स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जनप्रतिनिधियों ने सभी पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा अधिक मूल्य पर बिक्री करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही प्राकृतिक आपदाओं एवं मौसमी बीमारियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। कांकेर सांसद भोजराज नाग ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन के प्रयासों से बस्तर क्षेत्र के विकास को नई गति मिली है। सभी अधिकारी योजनाओं का प्रभावी एवं जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने धरती आबा योजना के अंतर्गत चयनित गांवों के समग्र विकास के लिए तैयार कार्ययोजना की जानकारी ली तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने किसानों को निर्धारित दर पर खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा विद्युत संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। कोण्डागांव विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लता उसेण्डी ने सभी पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने किशोरी बालिकाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच एवं निगरानी पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में वीबीजीरामजी योजना के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा देने, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत बड़े ग्राम पंचायतों में विधानसभावार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी संचालन तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्वीकृत सड़कों का गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं पारदर्शी ढंग से निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल' प्रमाणित गांवों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए।

गरियाबंद में डॉ.चरणदास महंत का भाजपा पर बड़ा हमला

बरसात में तो पक्षी का घोंसला भी नहीं उजाड़ा जाता, गरीबों के घर तोड़ना अमानवीय

संगठन मजबूती को लेकर कार्यकर्ताओं से किए चर्चा

गरियाबंद। पूर्व केंद्रीय मंत्री,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत मंगलवार को गरियाबंद जिले के दौरे पर पहुंचे। उनके आगमन पर जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में स्थानीय तिरंगा चौक पर आतिशबाजी, फूल-मालाओं और जोरदार नारों के बीच भव्य स्वागत किया।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. महंत ने बताया कि उनका यह दौरा कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीति एवं कार्ययोजना पर कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से है। उन्होंने कहा कि पार्टी बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चला रही है।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने नकटी गांव में गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने की घटना को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, बरसात के मौसम में तो पक्षी के घोंसले तक नहीं उजाड़े जाते,लेकिन सरकार ने गरीबों के आशियाने तोड़ दिए।यह बेहद दुखद और अमानवीय घटना है।

डॉ. महंत ने आरोप लगाया कि गरीबों के मकान तोड़ने के पीछे सरकार की मंशा उस जमीन का उपयोग विधायक और अधिकारियों को लाभ पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को आगामी विधानसभा सत्र में प्रमुखता से उठाया जाएगा और प्रभावित गरीब परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी। उन्होंने बताया कि गरियाबंद प्रवास के दौरान उनका बिन्द्रानवागढ़ विधायक से पारिवारिक भेंट-मुलाकात का भी कार्यक्रम निर्धारित है। डॉ. महंत के स्वागत एवं कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पदाधिकारी,कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।उनके बयान के बाद नकटी गांव का मुद्दा एक बार फिर जिले की राजनीति के केंद्र में आ गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली सोमारी बाई की जिंदगी

कच्ची झोपड़ी से मिला 'पूर्ण घर' का सुरक्षित आशियाना

जगदलपुर / अपने सिर पर पक्की छत होना हर परिवार का सपना होता है। बस्तर जिले के विकासखंड तोकापाल के ग्राम पंचायत सिंगनपुर की रहने वाली 52 वर्षीय सोमारी बाई (पति रिठु राम) के लिए यह सपना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से साकार हुआ है। कभी कच्ची झोपड़ी में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाला उनका परिवार आज एक सुरक्षित और सुविधायुक्त पक्के घर में सम्मान के साथ रह रहा है।

अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंध रखने वाली सोमारी बाई का पांच सदस्यीय परिवार वर्षों तक कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। बरसात में टपकती छत, गर्मी और सर्दी की मार के साथ हर वर्ष मकान की मरम्मत का अतिरिक्त खर्च उनके लिए बड़ी परेशानी थी। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और उन्हें तीन किश्तों में 1.20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिली। इस राशि से उन्होंने 27 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अपना पक्का मकान तैयार किया।सोमारी बाई के घर को विभिन्न सरकारी योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्जेंस) के माध्यम से 'पूर्ण घर' के रूप में विकसित किया गया। जल जीवन मिशन के तहत नल से स्वच्छ पेयजल की सुविधा, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय का निर्माण कराया गया। वहीं, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से मकान निर्माण के लिए 90 दिनों की मजदूरी का भुगतान भी किया गया, जिससे परिवार को अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला।

नए पक्के घर ने सोमारी बाई के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। अब उन्हें हर वर्ष मकान की मरम्मत पर खर्च नहीं करना पड़ता, जिससे होने वाली बचत का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक कार्यों में कर पा रहे हैं। सुरक्षित आवास मिलने से परिवार को मौसम की मार और बीमारियों से भी राहत मिली है, साथ ही सामाजिक सम्मान और आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है।अपनी खुशी साझा करते हुए सोमारी बाई ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनके परिवार का वर्षों पुराना सपना पूरा कर दिया। उन्होंने सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

घर में छिपाकर रखी थी शराब, आबकारी टीम की दबिश में 14.58 बल्क लीटर जब्त

जगदलपुर। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 7 जुलाई 2026 को कलेक्टर एवं आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में टीम ने कार्रवाई की।

ग्राम पदरपारा फरसागुड़ा (भानपुरी) के निवासी खेमराज देवांगन के रिहायशी मकान की तलाशी ली गई। आरोपी के सामने ही जब उसके बैठक कमरे की जांच की गई, तो वहां से एक सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी बरामद हुई। आरोपी के पास से 180 एमएल के 81 पाउच देशी प्लेन शराब जब्त की गई, जिसकी कुल मात्रा 14.58 बल्क लीटर बताई गई है। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी एक्ट की धारा 34(1)(क), 34(2), 36, 59(क) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच पूरी होने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस पूरी रेड और विवेचना की कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश कुमार कोरी और मनोज कुमार यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। उनके साथ प्रशिक्षण ले रहे आबकारी उपनिरीक्षक त्रिवेणी गढ़िया, गणेश्वर कश्यप, आशीष झूरी तथा मुख्य आरक्षक ललित ठाकुर, शैलेष पाण्डेय, पृथ्वीराज श्रीवास्तव, श्याम सुंदर केशरी शामिल थे। टीम में आरक्षक कविश यादव और महिला नगर सैनिक मीना साहू व मधुरिमा साहनी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना में बड़ी कार्रवाईः 24 निर्माण कार्य निरस्त, 2.88 करोड़ रुपये की होगी वसूली

गरियाबंद। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के सत्र 2023-24 के तहत अल्प प्रगति वाले कुल 24 निर्माण कार्यों को निरस्त कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने संबंधित निविदाकारों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि इन कार्यों के लिए प्राप्त भुगतान राशि सात दिनों के भीतर आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त के खाते में अनिवार्य रूप से जमा करें तथा इसकी सूचना कार्यालय को उपलब्ध कराएं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर राशि जमा नहीं करने पर संबंधित निविदाकारों के विरुद्ध वैधानिक वसूली की कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर प्राथमिकी दर्ज कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। सहायक आयुक्त लोकेश पटेल के अनुसार, महासमुंद के मेसर्स सुनील कंस्ट्रक्शन से तीन कार्यों के एवज में 32 लाख 82 हजार रुपये, आर.एस.एस. नगर, कोरबा के अजय कुमार राठौर से 13 कार्यों के लिए 1 करोड़ 69 लाख 6 हजार रुपये तथा कोरबा के मेसर्स जयनारायण यादव से आठ कार्यों के लिए 86 लाख 19 हजार रुपये की वसूली की जाएगी।

खाद की कालाबाजारी और गुणवत्ता पर सख्ती, दो दिन में सभी खाद दुकानों का करें निरीक्षण कलेक्टर आकाश छिकारा

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

जगदलपुर/ कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने समय-सीमा की बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने खाद वितरण की स्थिति, खाद संबंधी शिकायतों, निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर खाद की बिक्री तथा खाद की गुणवत्ता से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि खाद की गुणवत्ता एवं बिक्री व्यवस्था का क्रॉस वेरिफिकेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को आगामी दो दिनों के भीतर जिले की सभी खाद दुकानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक दुकान में निर्धारित दर सूची (रेट लिस्ट) अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने तथा अधिक कीमत पर खाद बेचने की शिकायतों पर तत्काल जांच एवं आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों में वितरित किए जा रहे चावल की गुणवत्ता की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम को पीडीएस दुकानों का निरीक्षण कर चावल की गुणवत्ता का परीक्षण करने तथा किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री छिकारा ने मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बस्तर मुन्ने एवं सुशासन तिहार के लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आवेदन निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण पर विशेष जोर देते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में किसानों का फसल बीमा योजना के अंतर्गत 31 जुलाई तक अधिक से अधिक पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों में सोलर पैनल एवं हाईमास्ट लाइट लगाने के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों की आवश्यकता अनुसार शासकीय भूमि उपलब्ध कराने संबंधी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं संक्षिप्त विवरण अद्यतन रखने के निर्देश दिए। बैठक में कोचिंग सेंटरों में उपलब्ध सुविधाओं की जांच, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, विभिन्न विभागों की मासिक समीक्षा बैठक प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित करने, सीपीग्राम, समय-सीमा, जनशिकायत एवं सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर ने उन्होंने शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति शत-प्रतिशत दर्ज कराने के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने पर भी बल दिया। विवेकानंद विद्यालय के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सितंबर माह में आयोजित होने वाले महाअभियान के अंतर्गत निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने की परीक्षा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए बीआरसी एवं बीईओ को आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा।

कलेक्टर ने नक्शा परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने तथा सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लंबित प्रकरणों का समय पर परीक्षण एवं निराकरण करने के निर्देश भी बैठक में दिए। साथ ही समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान सामाजिक पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर बल दिया गया। वहीं 14 वर्ष की बालिकाओं के सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए बीएमओ एवं बीईओ को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन योजना के कार्ड निर्माण में तेजी लाने तथा इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों से स्पष्टीकरण देने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, अपर कलेक्टर श्री सी पी बघेल, ऋषिकेश तिवारी, नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण जैन, सहायक कलेक्टर श्री यशवंत सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ली 'दिशा' की मैराथन बैठक

धरसीवां के 'खुरा' गांव का नाम अब 'कुंवरगढ़' करने का प्रस्ताव पारित

- ग्रामीण क्षेत्रों में 100% वाटर हार्वेस्टिंग और स्कूलों में अव्यवस्था पर दिखाई कड़ाई

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को रायपुर कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रॉस सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की एक महत्वपूर्ण और विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को परखा गया। श्री अग्रवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि केंद्र की 124 से अधिक जनकल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं और इनका शत-प्रतिशत लाभ ग्रामीण क्षेत्रों की जनता तक बिना किसी देरी के पहुंचना चाहिए।

इस उच्च स्तरीय बैठक में राज्य के मंत्री टंक राम वर्मा, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायकगण सर्वश्री सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, पुरंदर मिश्रा, इंद्र कुमार साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर श्री गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार विश्वरंजन सहित पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहे।

100% वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

बैठक में पानी की किल्लत पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जल संरक्षण को लेकर कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के 8,500 ट्यूबवेलों में से लगभग 5,000 ट्यूबवेल गर्मी के दिनों में सूख जाते हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए सभी ट्यूबवेलों के पास अनिवार्य रूप से वाटर रिचार्जिंग पिट बनाए जाएं। साथ जिले में पहले के 180 कुओं के साथ 48 नए कुएं खोदे गए हैं और 56 नए कुओं को मंजूरी दी गई है सभी में रीचार्जिंग पिट बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए धरसीवां विधानसभा के अंतर्गत 'खुरा' गांव का नाम बदलकर 'कुंवरगढ़' करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। लाभांडी में प्रस्तावित बैडमिंटन एकेडमी के काम में तेजी लाने के निर्देश भी खेल विभाग को दिए गए।

जिला खनिज संस्थान न्यास निधि से हुई कोरबा में सिपेट केंद्र की स्थापना

कोरबा (विश्व परिवार)। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी- सिपेट (पूर्व में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) रसायन और पेट्रोकेमिकल्स विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत प्लास्टिक्स एवं पालमर इंजीनियरिंग के क्षेत्र मे एक अग्रणी संस्थान है जो कि शैक्षणिक (Academics), कौशल विकास (Skill Development), प्रौद्योगिकी सहायता सेवाओं (Technical Support Services) और अनुसंधान एवं विकास (R&D) सेवाओं के लिए पूरी तरह से विकसित एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। सिपेट भारत सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के संयुक्त सहयोग से पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिप्लोमा पाठ्यक्रम और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने तथा प्रौद्योगिकी के साथ-साथ उद्योगों को तकनीकी सहायता सेवाएं प्रदान करने हेतु कोरबा शहर के क्षेत्र एजुकेशन हब, स्याहीमुड़ी, ब्लॉक-कटघोरा, पोस्ट-कटघोरा, कोरबा-495445, छत्तीसगढ़ में एक नया विस्तार केंद्र सितम्बर2018 में स्थापित किया गया।

छत्तीसगढ़ सरकारद्वारा कोरबा शहर में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) निधि कोरबा के माध्यम सेसिपेट केन्द्र की स्थापना हेतु पं. दीनदयाल उपाध्याय एकीकृत शैक्षणिक परिसर, एजुकेशन हब, स्याहीमुडी, जमनीपाली, कोरबा में कुल 18.20 एकड़ भूमि व निर्मित भवन के साथ साथ संयंत्र एवं तकनीकी बुनियादी ढांचे मशीनरी, लैब उपकरण, कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, फर्नीचर और फर्निशिंग आदि के निर्माण के लिए तथा परियोजना अवधि के दौरान संस्थान के आवर्ती व्यय हेतु 25 करोड़ राशि दिया गया।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव आयोजित

- नवप्रवेशी विद्यार्थियों का चंदन तिलक एवं मिष्ठान से किया गया आत्मीय स्वागत

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय सहाय एवं आशुतोष राय उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कल्पना टोप्पो, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य विजय सिन्हा, विद्यालय के प्राचार्य आर. डुगडुग, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी टुमनु गोसाई, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि गंगा राम भगत ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों के माथे पर चंदन का तिलक लगाकर, मिष्ठान खिलाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं। सभी विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आकर मन लगाकर अध्ययन करना चाहिए। पढ़ाई के दौरान यदि किसी विषय में कठिनाई हो तो बिना संकोच अपने शिक्षकों से प्रश्न पूछें।

उन्होंने कहा, 'हम शिक्षित रहेंगे तो देश शिक्षित रहेगा।' इस अवसर पर उन्होंने भारत के राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के संघर्षपूर्ण जीवन एवं उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने तथा उन्हें मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर साकार करने की प्रेरणा दी।

भिलाई स्टील प्लांट में संशोधित सुरक्षा नियमावली जारी

- सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कर्मचारियों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की पहल

भिलाई (विश्व परिवार)। बीएसपी में कार्यस्थल सुरक्षा संस्कृति को और मजबूत करने और दुर्घटना-मुक्त कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, SAIL-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपना संशोधित सुरक्षा नियमावली जारी किया है। अद्यतन नियमावली का आधिकारिक विमोचन 6 जुलाई, 2026 को कार्यकारी निदेशक (कार्य) राकेश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) तुषार कांत; मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) पी.वी.एस. मूर्ति; मुख्य महाप्रबंधक (पीपीसी) पी.आर. भल्ला; और मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्नि सेवाएं) देबादत्ता सतपथी शामिल थे। आधिकारिक विमोचन के बाद, साप्ताहिक समन्वय बैठक के दौरान सभी मुख्य महाप्रबंधकों और विभागाध्यक्षों को संशोधित सुरक्षा नियमावली की प्रतियां वितरित की गईं।

भिलाई इस्पात संयंत्र का सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग कर्मचारियों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित कार्य पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से अपने सुरक्षा दिशानिर्देशों को अद्यतन करता है। नए औद्योगिक मानकों, अद्यतन सुरक्षा दिशानिर्देशों और वर्तमान कार्य परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रावधानों को शामिल करते हुए, सुरक्षा नियमावली के इस संशोधित संस्करण का उद्देश्य कर्मचारियों को उनके दैनिक कार्यों को अधिक सुरक्षित और प्रभावी ढंग से निष्पादित करने में सक्षम बनाना है। व्यावहारिक अनुभव, तकनीकी विशेषज्ञता और कारखाने से प्राप्त बहुमूल्य प्रतिक्रिया के आधार पर विकसित, इस व्यापक सुरक्षा नियमावली में अद्यतन सुरक्षा परिपत्र, विभिन्न कार्यों के लिए उपयोगी सुरक्षा चेकलिस्ट और 37 सामग्री सुरक्षा डेटा शीट (एमएसडीएस) शामिल हैं।

व्यापारियों के हितों की पैरवी में आगे आया चेम्बर, सतीश थौरानी ने मुख्यमंत्री को सौंपा मांगपत्र

- व्यापारियों के हित में चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी की बड़ी पहल, वर्गफुट शुल्क समाप्त करने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए एक बार फिर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज आगे आया है। प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में चेम्बर के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भेंट कर 'छत्तीसगढ नगरपालिका (व्यापार अनुज्ञापन) नियम, 2025' में लागू वर्गफुट आधारित पंजीकरण शुल्क व्यवस्था को समाप्त करने तथा इसके स्थान पर न्यायसंगत लाइसेंसवार फ्लैट शुल्क प्रणाली लागू करने की मांग करते हुए विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

चेम्बर ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि सरकार द्वारा 43 प्रमुख व्यवसायों को ट्रेड लाइसेंस की अनिवार्यता से मुक्त करने का निर्णय स्वागतयोग्य है और इससे प्रक्रियागत सरलीकरण को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन नियम-18 के तहत लागू वर्गफुट आधारित वार्षिक पंजीकरण शुल्क व्यापारियों के लिए राहत नहीं, बल्कि अतिरिक्त आर्थिक बोझ बनकर सामने आया है। नगर निगम क्षेत्रों में 6 रुपए प्रति वर्गफुट की दर से अधिकतम 30 हजार रुपए तक वार्षिक शुल्क निर्धारित किए जाने से विशेष रूप से छोटे और मध्यम व्यापारी प्रभावित होंगे।

चेम्बर ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को केवल उठाना ही नहीं, बल्कि उनका व्यावहारिक समाधान सरकार तक पहुँचाना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ प्रदेशभर से प्राप्त सुझावों और व्यापारियों की चिंताओं का अध्ययन कर यह मांगपत्र तैयार किया गया है। चेम्बर का उद्देश्य किसी निर्णय का विरोध करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कराना है जिससे व्यापार सरल हो और व्यापारियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े।

प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि वर्गफुट आधारित शुल्क व्यवस्था से दुकानों की नाप-जोख के नाम पर निरीक्षण, विवाद और भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ेगी। यदि सरकार वास्तव में मेंम वा क्रपदह ठनेपदमे को बढ़ावा देना चाहती है, तो वर्गफुट आधारित शुल्क समाप्त कर सभी व्यापारियों के लिए लाइसेंसवार फ्लैट शुल्क लागू किया जाना चाहिए।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने बृजमोहन अग्रवाल को सात सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन, रायपुर जिला शाखा द्वारा राज्य के एक लाख से अधिक पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों की वर्षों से लंबित न्यायोचित मांगों के संबंध में रायपुर के माननीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से सांसद महोदय से आग्रह किया गया कि वे पेंशनरों की समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए अपनी अनुशंसा सहित ज्ञापन मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन को प्रेषित करें।

जिलाध्यक्ष पंकज नायक ने बताया कि ज्ञापन में शामिल अधिकांश मांगें संवैधानिक भावना, मानवीय दृष्टिकोण तथा न्यायालय के आदेशों पर आधारित हैं। इनका निराकरण होने से प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक पेंशनरों को सम्मानजनक एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने में महत्वपूर्ण राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने की सौजन्य भेंट

- सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और जनकल्याण के साझा प्रयासों को और सशक्त बनाने पर दिया गया जोर

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में झारखंड के वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर ने सौजन्य भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और झारखंड केवल भौगोलिक रूप से पड़ोसी राज्य ही नहीं हैं, बल्कि दोनों राज्यों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों की मजबूत परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से जशपुर क्षेत्र का झारखंड से वर्षों पुराना आत्मीय जुड़ाव रहा है, जिसने दोनों राज्यों के लोगों के बीच विश्वास और निकटता को निरंतर मजबूत किया है।

बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा परस्पर अनुभवों के आदान-प्रदान जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों राज्यों के बीच सहयोग से विकास के नए अवसर सृजित होंगे तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों को इसका व्यापक लाभ मिलेगा।

दमयंती बेन किशोर चंद्र पिथालीया की निधन

रायपुर। फाफाडीह चौक, के. के. रोड निवासी दमयंती बेन किशोर चंद्र पिथालीया (77 वर्ष) का निधन दिनांक 07.07.2026 को हो गया। उनकी अंत्येष्टि देवेंद्रनगर मोक्ष धाम मे सम्पन्न हुई। वे आरएमई वर्क्स के कैलाश पिथालिया की भाभी, जयेश, भूपेश एवं सुधा हितेश गोहिल की माता, हितेश एवं भरत की बड़ी माँ थी।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
U40108CT2003SGC015821 (A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)

Notice Inviting Tender

Sealed Bids are invited for O/o E.D. (CP&BD) CSPGCL, Raipur, as per tender specification as below-

Tender Specification No.	Description	Tender Cost (Rs.)	EMD Amount (Rs.)	Last Date & Time of Sale of Tender	Last Date & Time of Submission of Tenders	Due Date & Time of Opening of Tenders
03-14/ Veh/T-01/ 2026/	Hiring of one no. Category-I car on contract basis for E.D. (CP&BD), CSPGCL, Raipur for a period of Two (02) Years.	590.00 (Including GST @18%)	11,500.00	28.07.2026 17:00 Hrs.	29.07.2026 15:00 Hrs	29.07.2026 16:00 Hrs

The details of NIT can be viewed from our website and any corrigendum in tender, shall be published on company website only.https://cspc.co.in/cspgcl_tendernotices/

Executive Director (CP&BD)
CSPGCL, Raipur

//Save Electricity// Samvad- 48367/3

एम्स रायपुर में पांचवीं राज्य स्तरीय स्नातक पैथोलॉजी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर के पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग द्वारा आईएपीएम छत्तीसगढ़ चैप्टर के सहयोग से पांचवीं वार्षिक राज्य स्तरीय स्नातक (एमबीबीएस) पैथोलॉजी क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों की 9 टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के दो छात्र शामिल थे।

प्रतिभागी संस्थानों में RIIMS रायपुर, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय (Pt. JNM) रायपुर, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़, राजनांदगांव, अंबिकापुर, एसआरआईएमएसआर पचेड़ा, सीसीएम मेडिकल कॉलेज दुर्ग, श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रायपुर तथा एम्स रायपुर शामिल रहे।

कार्यक्रम में आईएपीएम छत्तीसगढ़ चैप्टर की सचिव डॉ. चांदनी कृष्णानी एवं कोषाध्यक्ष डॉ. वनिता अडिले मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से डॉ. रानी पांडे, डॉ. मोनिका, डॉ. शाम्भवी, डॉ. आकांक्षा, डॉ. अपूर्वा तथा डॉ. चंद्राकर सहित अनेक संकाय सदस्य उपस्थित रहे। एम्स रायपुर के पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग के संकाय सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. के. अंकिता साइमन, सहायक प्राध्यापक, पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन थीं। प्रतियोगिता में कुल छह चरण आयोजित किए गए, जिनमें महान वैज्ञानिकों की पहचान, ग्रॉस स्पेसिमेन राउंड, माइक्रोस्कोपी राउंड, केस आधारित राउंड, इनोवेटिव राउंड तथा रैपिड फायर राउंड शामिल थे।

आयोजन समिति में डॉ. स्मृति रेखा जेना, डॉ. चिलुमुरी सरया, डॉ. प्रप्ति, डॉ. थारिणी, डॉ. श्रिया तथा एमबीबीएस विद्यार्थियों श्रीजित शिवकुमार, अनुश, विवेकानंद पुजारी, पार्थ चक्रनारायण और सर्वांगना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में एसआरआईएमएसआर, पचेड़ा की टीम ने प्रथम स्थान, एम्स रायपुर की टीम ने द्वितीय स्थान तथा श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रायपुर और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर की टीमों ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगांव की टीम को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
क्षेत्रीय कार्यालयः महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300, (PIN 492013)
E-mail:npa.ro.rai@cgbank.in I
Web: www.cgbank.in

संशोधन
छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक द्वारा जब्त किये गये वाहनों की नीलामी का प्रकाशन दिनांक 07.07.2026 को हुआ था जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक एवं लोगो पुराना ही प्रकाशित हो गया था तो कृप्या छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक पढ़ा जाये।

क्षेत्रीय प्रबंधक,
दिनांक 07.07.2026 क्षेत्रीय कार्यालय-रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

संख्याः वरि. मं.सा.प्र./रायपुर दिनांकः 02.07.2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे बताए गए सामान की आपूर्ति के लिए टेंडर जारी किया गया है।

क्र. सं.	निविदा सूचना संख्या	कार्य का नाम	समाप्ति तिथि
1.	वरि.मं.सा.प्र./ द.पू.म.रे. रायपुर निविदा सं. 96255433C	ध्वनिरोधी आवरण सहित वायु-शीतित विद्युत चालित स्थिर गति वाले, इनलेट मॉड्यूलेशन युक्त, तेल-चिकनाई युक्त स्क्रू प्रकार के वायु संपीडन की आपूर्ति, स्थापना, नींव कार्य और चालू करना। क्षमता-500 सीएफएम, 1. मात्रा : 1 नग। प्राप्तकर्ताः एसएसई/ सीएंडडब्ल्यू/ पीपी यार्ड/ भिलाई/एसईसीआर, 2. मात्राः1 नग। प्राप्तकर्ताः एसएसई/सीएंडडब्ल्यू/मरौदा/ एसईसीआर, 3. मात्राः 2 नग। प्राप्तकर्ताः एसएसई/सीएंडडब्ल्यू/ पीपी यार्ड/ भिलाई/ एसईसीआर	30.07.2026 सुबह 10:30 बजे
2.	वरि.मं.सा.प्र./ द.पू.म.रे. रायपुर निविदा सं. 96265473	सप्लाई, कम्पलीट इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ स्मार्ट एएलसी इन एमपीटी-2013 मशीन विथ रिक्वायर्ड एक्सेसरीज, मेकः Plasser, मात्राः 1 नं.।	28.07.2026 सुबह 10:30 बजे

01. निविदा दस्तावेज वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है और वहीं डॉउनलोड भी किया जा सकता है। 02. सभी बोलीदाताओं/निविदाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जीएसटी का अनुपालन कर रहे है और जीएसटी कानून के अनुसार कर संरचना/ दर उद्धृत करते है। 03. निविदा अनुबंध से सबंधित अन्य पुछताछ के लिए वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक कार्यालय रायपुर डी. आर.एम. काम्प्लेक्स नियर आर.व्ही.एच. कॉलोनी डब्ल्यू. आर. एस. रायपुर पिन 492008 मो.नं. 0771-2252258/ 9752877770 से सम्पर्क करे।

पीआर/आर/एसआर.डीएमएम/पीसीएन/120 वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/रायपुर

South East Central Railway @secrail

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL),CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013
Phone No. 0771-2574562, website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/663 **Raipur, date 02.07.2026**

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL in three-part tendering system. The unregistered contractor having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following work as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/HTPS-KW/W/ 2026/49	Resurfacing of existing tar road from Hospital Chowk to Erector Hostel Chowk (near F-1 Block) at HTPS, CSPGCL, Korba West. E-Comp. No.-314752	63.34 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal. (ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

Chief Engineer (Civil)
CSPGCL, Raipur

//Save Electricity// Samvad- 48372/3

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 08 जुलाई 2026

महापौर ने किया जलभराव क्षेत्रों का मैराथन दौरा

कोरबा। महापौर संजू देवी राजपूत ने शहर में भारी वर्षा के बीच निगम क्षेत्र के कोरबा , टीपी नगर , कोसाबाड़ी , रविशंकरनगर, बालको , दर्री, जोनअंतर्गत वार्ड एवं बस्तियों का सघन दौरा किया। उन्होंने वार्ड पार्षदों व अधिकारियों के साथ जल भराव क्षेत्रो का दौरा करते हुए जल भराव वाले क्षेत्र से पानी की तत्काल निकासी करने, वर्षा की स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए जल भराव की समस्या से निपटने, सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिए ।

रायगढ़ में स्वास्थ्य, पर्यटन और शहरी अधोसंरचना विकास को मिलेगी नई रफ्तार : वित्त मंत्री चौधरी

- खर्रा घाट पर 30 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होगा मैरीन ड्राइव
- पुराने जेल परिसर में बनेगा आधुनिक व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स

रायपुर (विश्व परिवार)। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने मंगलवार को रायगढ़ जिले में प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विजयपुर में प्रस्तावित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, केलो नदी के खर्रा घाट पर विकसित किए जा रहे मैरीन ड्राइव तथा पुराने जेल परिसर में प्रस्तावित व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

विजयपुर में लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने अधिकारियों को भवन की ड्राइंग एवं डिजाइन में आवश्यक सुधार कर इसे भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अधिक उपयोगी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संशोधित प्रस्ताव शीघ्र अंतिम स्वीकृति के लिए भेजा जाए, ताकि निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ हो सके। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से रायगढ़ जिले में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा और लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके बाद वित्त मंत्री ने केलो नदी के खर्रा घाट पर लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे मैरीन ड्राइव परियोजना का निरीक्षण किया। लगभग दो किलोमीटर लंबी इस परियोजना का कार्यादेश जारी हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह परियोजना रायगढ़ की नई पहचान बनेगी, इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मैरीन ड्राइव परियोजना के अंतर्गत घाट का सौंदर्यीकरण, गज़ीबो, आरसीसी पाथवे, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, प्रोमेनेड, फूड कोर्ट, बाह्य विद्युतीकरण सहित विभिन्न आधुनिक अधोसंरचनात्मक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके पूर्ण होने से शहरवासियों को मनोरंजन, पर्यटन और सार्वजनिक उपयोग की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने पुराने जेल परिसर का भी अवलोकन किया, जहां जर्जर भवन को हटाकर आधुनिक व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स विकसित किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर जीवर्धन चौहान, विजय अग्रवाल, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे डूमरतराई के नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण

- आधुनिक अधोसंरचना से व्यापार, रोजगार तथा आर्थिक विकास को मिलेगी नई गति।

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा डूमरतराई, रायपुर में विकसित अत्याधुनिक नवीन थोक बाजार का लोकार्पण अब 8 जुलाई 2026 को छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री इस आधुनिक व्यावसायिक परिसर का नामकरण भी करते हुए इसे प्रदेशवासियों एवं व्यापारियों को समर्पित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय मंत्री आवास एवं पर्यावरण श्री ओ पी चौधरी करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम पूर्व में 5 जुलाई 2026 को आयोजित होना था, किन्तु छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजन बाई जी के निधन के कारण घोषित राजकीय शोक के चलते इसे स्थगित कर दिया गया था। अब यह कार्यक्रम 8 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर लगभग 36 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह आधुनिक थोक बाजार सुव्यवस्थित व्यापारिक गतिविधियों, चौड़ी सड़कों, पर्याप्त पार्किंग, बेहतर यातायात प्रबंधन तथा आवश्यक नागरिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यह बाजार रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के व्यापारिक विकास को नई दिशा देने के साथ प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करेगा।

डूमरतराई व्यापारिक परिसर का विकास चरणबद्ध रूप से किया गया है। फेज-1 में लगभग 76 करोड़ रुपये की लागत से 536 व्यावसायिक दुकान एवं हॉल निर्मित किए गए, जिससे प्रदेश के व्यापारियों को सुव्यवस्थित एवं आधुनिक व्यवसायिक सुविधाएँ उपलब्ध हुई।

विद्युत संविदा कर्मचारी संघ का 16 दिवसीय आंदोलन समाप्त

- विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के आश्वासन के बाद बनी सहमति

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ द्वारा विगत 16 दिनों से चल रहा अनिश्चितकालीन आंदोलन आज समाप्त हो गया। छत्तीसगढ़ विधानसभा माननीय अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी और पॉवर कंपनी सम्माननीय उच्च प्रबंधन के साथ हुई सौहार्दपूर्ण वार्ता एवं उनके द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासन के पश्चात संघ ने आंदोलन वापस लेने का निर्णय लिया। संघ के प्रतिनिधिमंडल हरी चरण साहू (प्रदेश अध्यक्ष), कमलेश भारद्वाज (प्रदेश महामंत्री), योगेश साहू (संयुक्त महामंत्री), उमेश पटेल (पूर्व महामंत्री), प्रदीप राठौर बाल कृष्ण,अमित साहू, विजय साहू योगेश चौहान ने आज माननीय श्री डॉ. रमन सिंह जी से मुलाकात कर संविदा कर्मचारियों की एक सूत्री मांग 'नियमितीकरण/ समायोज पर विस्तृत चर्चा की। माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय जी ने संघ के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि संविदा कर्मचारियों की जायज मांग पर शासन एवं कंपनी प्रबंधन स्तर पर प्राथमिकता से विचार कर जल्द ही निराकरण किया जाएगा। उन्होंने प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग को दूरभाष के माध्यम से संघ की मांग की समीक्षा कर शीघ्र समाधान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

डॉ. रमन सिंह के संवेदनशील पहल के बाद संघ ने प्रदेश के हित और उपभोक्ताओं को हो रही असुविधा को देखते हुए आंदोलन को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा की। संघ ने विश्वास जताया कि शासन द्वारा दिए गए आश्वासनों पर समयबद्ध कार्यवाही होगी। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ, माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी का आभार व्यक्त करता है।

नन्हे हाथों ने बोए हरियाली के सपने: एन.एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल में वन महोत्सव के तहत हुआ वृक्षारोपण

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रकृति संरक्षण का संदेश जब नन्हे-मुन्ने बच्चों के हाथों से दिया जाए, तो वह केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि आने वाले सुनहरे भविष्य की नींव बन जाता है। इसी भाव को साकार करते हुए एन.एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल के ईपी (अर्ली प्रोग्राम) ब्लॉक में 'वन महोत्सव' का भव्य आयोजन बगीचा संस्था के सहयोग से अत्यंत उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। पूरे परिसर में बच्चों की मुस्कान, हरियाली के प्रति प्रेम और प्रकृति संरक्षण का संदेश गूंजता रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत नर्सरी, जूनियर किंडरगार्डन एवं सीनियर किंडरगार्डन के नन्हे विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षकों के साथ पौधारोपण से हुई। छोटे-छोटे हाथों से लगाए गए पौधे इस बात का प्रतीक बने कि पर्यावरण संरक्षण की सीख बचपन से ही संस्कार के रूप में विकसित की जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ नर्सरी ए के विद्यार्थियों के साथ डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन श्री एस. के. तोमर, प्राचार्य डॉ. अविनाश पांडेय, बगीचा की संस्थापक सुश्री निशा सिंघल एवं ईपी ब्लॉक इंचार्ज सुश्री तसनीम हुनैद नाज़ ने संयुक्त रूप से पौधा लगाकर किया। कार्यक्रम का समापन सीनियर किंडरगार्डन डी के विद्यार्थियों के साथ हुआ तथा अंत में सुश्री तसनीम हुनैद नाज़ एवं सुश्री निशा सिंघल ने मिलकर अंतिम पौधा रोपित कर इस हरित अभियान को यादगार बनाया।

पूरे कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन सुश्री उन्नति चिमनानी के कुशल समन्वय में संपन्न हुआ, जिनके उत्कृष्ट प्रबंधन ने आयोजन को विशेष सफलता प्रदान की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ईपी ब्लॉक के सभी शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। नर्सरी, जूनियर किंडरगार्डन एवं सीनियर किंडरगार्डन की सभी शिक्षिकाओं ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए पौधारोपण को एक आनंददायक एवं शिक्षाप्रद अनुभव बनाया।

विद्यालय की गार्डन मेंटेनेंस टीम ने भी पौधारोपण स्थल की तैयारी से लेकर पूरे कार्यक्रम के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान कर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन श्री एस. के. तोमर ने कहा कि बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की भावना जितनी जल्दी विकसित होगी, भविष्य उतना ही सुरक्षित और हराभरा होगा। उन्होंने बगीचा संस्था एवं विद्यालय परिवार के संयुक्त प्रयासों की सराहना की।

बारिश से बिरगांव के कई वार्डों में जलभराव

रायपुर (विश्व परिवार)। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बिरगांव नगर निगम क्षेत्र के मेटल पार्क, रावाभाठा, उरकुरा एवं उरला सहित कई वार्डों में जलभराव की स्थिति बन गई है। एमआईसी सदस्य इकराम अहमद ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए निगम अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या को जल्द दूर करने के लिए जल निकासी व्यवस्था को सुधारने का कार्य लगातार किया जा रहा है, ताकि आम लोगों को जल्द राहत मिल सके।

नगर विकास को मिली रफ्तार

नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने 12 लाख के विकास कार्यों का किया स्थल पूजन

जामुल (विश्व परिवार)। नगर पालिका परिषद जामुल द्वारा विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने मंगलवार को विभिन्न वार्डों में लगभग 12 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का विधिवत स्थल पूजन किया।

अध्यक्ष ठाकुर ने वार्ड क्रमांक 13 में 7 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड, महतारी चौक में 3 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड तथा वार्ड क्रमांक 20 स्थित पूर्व प्राथमिक विद्यालय परिसर में 2 लाख रुपये की लागत से चबूतरा निर्माण कार्य का स्थल पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार परिषद की प्राथमिकता है। सभी विकास कार्य गुणवत्ता एवं समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण कराए जाएंगे ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

स्थल पूजन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर, पार्षद कविता विशाल, दीपक गुप्ता, तुलाराम टंडन, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, बाली बर्मन, मेवाराम कुशवाहा, तिवारी जी, विक्की भैया, शशिकांत कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्वेच्छानुदान मद से सुदूर वनांचल स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल, मांझीगुडा को 10 कंप्यूटर प्रदत्त

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल संसाधनों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने स्वेच्छानुदान मद से बस्तर जिले के विकासखंड दरभा के सुदूर वनांचल क्षेत्र में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मांझीगुडा चिंगपाल को 10 कंप्यूटर प्रदान किए। इसके लिए राज्यपाल द्वारा पूर्व में स्वीकृति प्रदान की गई थी।

लोक भवन में आज राज्यपाल ने विद्यालय के लिए कंप्यूटरों का औपचारिक रूप से हस्तांतरण किया। इन कंप्यूटरों के माध्यम से सुदूर वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके ज्ञान और कौशल का विकास होगा।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, उप सचिव सुश्री निधि साहू तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मांझीगुडा (जिला बस्तर) के प्राचार्य उपस्थित थे।

शैलेंद्र नगर में 'मानसून फेस्ट 2026' का सफल आयोजन

- कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

रायपुर (विश्व परिवार)। लिटिल मिलेनियम शैलेंद्र नगर में आयोजित 'मानसून फेस्ट 2026' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आनंद उठाया।

कार्यक्रम में केक डेकोरेशन, फैशन वॉक, व्हील ऑफ फॉर्च्यून, मजेदार खेल एवं अनेक आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया, वहीं अभिभावकों ने भी बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर इस आयोजन को यादगार बनाया।

इस अवसर पर आयोजित लकी ड्रॉ में विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और खुशियों का माहौल बना रहा। उपस्थित अभिभावकों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक उत्कृष्ट पहल बताया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'सहयोग केंद्र' में कार्यकर्ताओं के आवेदनों का किया निराकरण

- प्रदेशभर से पहुँचे कार्यकर्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय 'कुशाभाऊ ठाकरे परिसर' में मंगलवार को 'सहयोग केंद्र' में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री अरुण साव उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश के कोने-कोने से पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं से सीधे श्री साव ने मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर से पहुँचे 500 से भी अधिक कार्यकर्ताओं की समस्याओं, शिकायतों और महत्वपूर्ण सुझावों को बेहद संवेदनशीलता और आत्मीयता के साथ सुना तथा कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित निराकरण के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री साव ने इस मौके पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। संगठन और सत्ता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में 'सहयोग केंद्र' एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनता और कार्यकर्ताओं के कल्याण के लिए पूरी तरह समर्पित है। सहयोग केंद्र में आने वाले हर एक कार्यकर्ता की बात को पूरी गंभीरता से सुना जाता है, और हमारा प्रयास रहता है कि उनकी जायज समस्याओं का समाधान बिना किसी विलंब के हो।

नकटी में किया गया तोड़ फोड़ भाजपा सरकार का अपराधिक कार्य : धनेन्द्र साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। राजीव भवन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धनेन्द्र साहू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री कुमार शंकर मेनन, जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे एवं नकटी मामले की कमेटी के सदस्यों ने पत्रकार वार्ता लेकर नकटी मामले सरकार पर क्रूरता के आरोप लगा था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कहा कि नकटी में किया गया तोड़ फोड़ भाजपा सरकार की अपराधिक कार्य था। बिना किसी कार्य योजना के गरीबो के मकानो को तोड़ा गया। भाजपा सरकार ने गरीबो का मकान तोड़ कर जो क्रूरता दिखाई है। उसके चौतरफा विरोध के बाद लगातार सरकार झूठ परोस रही है। भाजपा की सरकार 50 वर्षों से नकटी गांव में रह रहे गरीबों के घर को तोड़कर अपने तानाशाही चरित्र को प्रदर्शित किया है विधायकों का आवास बनाने के लिए अन्य सरकारी जमीनों का उपयोग करना था लेकिन नकटी गांव की जनता के प्रति भाजपा की दुर्भावना सामने आई है। नकटी गांव की जनता के घरों को अवैध बताने वाली भाजपा की सरकार जवाब दे जब वह जमीन अवैध थी वहां प्रधानमंत्री आवास कैसे बन गया नकटी में निवास कर रहे लोगों का राशन कार्ड आधार कार्ड उनके घरों पर बिजली कैसे पहुंच गई। नकटी गांव के नागरिकों से बिना चर्चा किये आधी रात को उनके घरों पर बुलडोजर चलाया गया बारिश के मौसम में गरीबों को घर से बेघर किया गया यह अन्याय है कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। सरकार ने वहां पर 85 मकानो को तोड़ा है, 25 से अधिक प्रधानमंत्री आवास भी तोड़ा है। प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही अब दोबारा आवास लेने के पात्र नहीं रहेंगे। अमूनन मानवीय आधार पर बारिश के समय विस्थापन की कार्यवाही नहीं की जाती है, यह छत्तीसगढ़ में 10 जून से 15 जून मानसून आने का समय माना जाता है। इस समय के बाद राज्य के जमीनों का सीमांकन भी नहीं किया जाता है। नकटी गांव में तोड़-फोड़ की कार्यवाही 29 जून को की गयी है, जो पूरी तरह से गलत और गैरकानूनी प्रक्रिया है। इस कार्यवाही में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। सरकार कानूनी कार्यवाही नहीं करेगी तो हम इस मामले को लेकर कोर्ट भी जायेंगे। सरकार ने नकटी में खसरा न. 460 में तोड़ फोड़ किया है, अंकित आनंद के पत्र के अनुसार वहां पर खसरा नं. 460 के अलावा 465, 524, 698, 700, 701 सहित कुल 29.172 हेक्टयर अर्थात लगभग 72 एकड़ जमीन को खाली करायेंगे। इसका मतलब अभी खतरा पूरे गांव पर है। भाजपा सरकार ने नकटी में ग्रामीणों के मकानों को बरसात के मौसम में तोड़ने का महापाप किया है, गरीबों के आवास को उजाड़ने के बाद अपना पाप छुपाने के लिए भाजपा के नेता रोज पत्रकार वार्ता लेकर झूठ बोल रहे है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354